मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 9 अंक 58
रविवार, 06 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

केरलम में एनएच-66 पर खड़ी लॉरी से टकराई कार, 8 इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

तिरुवनंतपुरम, 05 सितम्बर। केरलम के त्रिशूर जिले में हुआ एक भीषण सड़क हादसा तमिलनाडु के कई परिवारों के लिए कभी न भूलने वाला वज्रपात बन गया।

शुक्रवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर कैपासमंगलम के पास हुए इस मर्मस्पर्शी हादसे में एक कॉलेज के आठ होनहार इंजीनियरिंग छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। युवा सपनों से भरी यह जिंदगी पलक झपकते ही थम गई, जिससे डिंडीगुल और आसपास के क्षेत्रों में मातम पसरा हुआ है।

पुलिस के अनुसार, यह हृदयविदारक घटना शुक्रवार रात लगभग 11 बजकर 40 मिनट पर पनंबिक्कुन्नु में घटी। तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज के ये छात्र गुरुवयूर से कोडुंगल्लूर की ओर जा रहे थे। जिस कार में वे सवार थे, वह तेज गति से आगे बढ़ रही थी और वह एनएच-66 पर एक निर्माण कार्य के चलते डायवर्जन के पास पहुंची। वहां सड़क के दाहिने हिस्से में महाराष्ट्र नंबर की एक लॉरी अवैध रूप से खड़ी थी। तेज रफ्तार कार के चालक को अंधेरे में न तो बैरिकेडिंग दिखाई दी और न ही खड़ी लॉरी, जिससे कार सीधे उसके पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि छह छात्रों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य को अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान सूर्या, युवसंजीत, जोशुआ, मुरली और जीवा (सभी डिंडीगुल के निवासी), संतोष व प्रसन्ना (मदुरै के) तथा विश्वा (सेलम के) के रूप

में हुई है। स्वजनों के अनुसार, संतोष ने हाल ही में नई कार खरीदी थी, जिसका पंजीकरण पूरा न होने के कारण उन्होंने कोच्चि की इस यात्रा के लिए किराये पर गाड़ी ली थी, किसे पता था कि यह सफर उनकी अंतिम यात्रा बन जाएगा। इस दुखद घटना ने प्रशासन की कार्यशैली और सड़कों पर सुरक्षा के दावों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने लापरवाही और गैर-इरादतन हत्या के आरोप में लारी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, जो हादसे के बाद से फरार है। त्रिशूर ग्रामीण के जिला पुलिस प्रमुख मोहम्मद नदीमुद्दीन ने स्पष्ट किया है कि शुरूआती जांच में लारी चालक की बड़ी लापरवाही सामने आई है।

'निर्माणधीन राजमार्गों पर सुरक्षा के मोर्चे पर हो रही बड़ी चूक' इस मर्मभेदी हादसे के बाद राज्य में राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में भी हड़कंप मच गया है। केरलम के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने इस पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए चिंता जताई है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा कि निर्माणधीन राजमार्गों पर सुरक्षा के मोर्चे पर बड़ी चूक हो रही है। मुख्यमंत्री ने इस गंभीर मुद्दे को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के समक्ष मजबूती से उठाने का निर्णय लिया है।

उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से आग्रह किया है कि वे राज्य की सभी निमार्णाधीन परियोजनाओं की तत्काल और व्यापक सुरक्षा समीक्षा के आदेश दें, ताकि भविष्य में किसी अन्य मां की गोद इस तरह सूनी न हो।

'तेलंगाना आकर छात्रों से बात कीजिए', राहुल गांधी को केटीआर ने दिया चैलेंज

हैदराबाद, 05 सितम्बर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' अभियान को लेकर देशभर की सियासत में गर्माहट तेज है। ऐसे में अब इस मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने राहुल गांधी को सीधे चुनौती दी है। केटीआर ने कहा कि राहुल गांधी तेलंगाना आएं और यहां के छात्रों की समस्याओं को खुद सुनें। केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर रोजगार और शिक्षा से जुड़े अपने वादों को पूरा करने में पूरी तरह नाकाम रहने का गंभीर आरोप लगाया है।

राहुल गांधी के इन दिनों चल रहे 'छात्रों की गूंज' अभियान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए केटीआर ने कहा कि दूसरे राज्यों के छात्रों के मुद्दों पर बोलने से पहले राहुल गांधी को तेलंगाना आकर यहां के हालातों का सामना करना चाहिए। केटीआर ने अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी

जी, क्या आपको यहां के छात्रों की गूंज सुनाई नहीं दे रही? क्या आप उनकी आवाज नहीं सुन पा रहे? तेलंगाना आइए। हैदराबाद के अशोकनगर या फिर करीमनगर आइए। हम आपकी पूरी मेहमाननवाजी करेंगे, लेकिन यहां आइए और हमारे छात्रों से बात कीजिए।

इस दौरान केटीआर ने हैदराबाद के अशोकनगर में चुनाव से पहले युवाओं के साथ राहुल गांधी की पिछली मुलाकातों का जिक्र भी किया। उन्होंने पूछा कि हर साल दो लाख सरकारी नौकरियां देने के कांग्रेस के उस बड़े वादे का अब क्या हुआ? केटीआर ने आरोप लगाया कि जिन बेरोजगार युवाओं को चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं ने बड़े चाव से देखा था, सरकार बनने के बाद उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। केटीआर ने तंज कसते हुए पूछा कि आपने दो लाख नौकरियां देने का वादा किया था। उस वादे का क्या हुआ? अब आप कहां हैं?

शिक्षकों को पीएम मोदी की सलाह : सिलेबस से बाहर निकल बच्चों के व्यवहार और आदतों पर दें ध्यान

नई दिल्ली, 05 सितम्बर। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर चुने हुए शिक्षकों से मुलाकात में प्रधानमंत्री ने बच्चों में पनपने वाली नशे की आदत और बढ़ते स्क्रीन टाइम के प्रति आगाह किया। पीएम मोदी ने इस दौरान शिक्षकों को सलाह दी कि वह बच्चों को सिलेबस से बाहर निकल उसके व्यवहार और आदतों पर भी ध्यान दें।

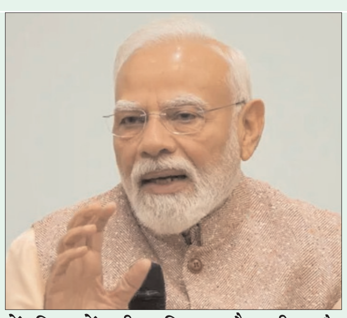

इस साल 82 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। अपने आवास पर शुक्रवार शाम को हुई मुलाकात में प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षकों को बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन से परे जाकर उनके व्यवहार और दैनिक जीवन पर भी ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने पारंपरिक संयुक्त परिवार व्यवस्था में कमी के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि बच्चों के जीवन में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। प्रधानमंत्री ने नशे की समस्या के बारे में चर्चा करते हुए शिक्षकों से बच्चों में होने वाले बदलावों के प्रति सतर्क रहने, इसके कारणों का पता लगाने और ऐसे बच्चों को इस लत से उबरने में मदद करने का विशेष प्रयास किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बचपन की मासूमियत को सुरक्षित रखना एक महत्वपूर्ण भूमिका है और शिक्षक यह भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों में एक समान मूल स्वभाव और जिज्ञासा होती है और यदि शिक्षक इस जिज्ञासा को बढ़ावा और उचित दिशा दें, तो वे उनके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

स्क्रीन टाइम आज हर किसी के लिए बड़ी समस्या है। बच्चों में इसकी लत ज्यादा चिंताजनक है। पीएम ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अभिभावकों से इस बारे में बात करें कि उनके बच्चे स्क्रीन पर कितना समय बिताते हैं और क्या वे देर रात तक मोबाइल फोन का उपयोग करते रहते हैं।

उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चे खेलकूद, शारीरिक गतिविधियों और रचनात्मक गतिविधियों में रुचि विकसित करके धीरे-धीरे स्क्रीन के अत्यधिक उपयोग से बाहर निकल सकते हैं।

दलीप ट्रॉफी: साउथ जोन को झटका, केएल राहुल खिताबी मैच से बाहर

चेन्नई, 05 सितम्बर। ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच रविवार से चेन्नई में दलीप ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच से पहले ही साउथ जोन को झटका लगा है क्योंकि उसके अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल इस खिताबी का मैच का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं, ईस्ट जोन के लिए राहत की बात है कि कप्तान ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी फाइनल मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे।

ईशान किशन ने मैच से एक दिन पहले इस बात की पुष्टि कर दी है कि दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में वह फुल स्ट्रेंग्थ टीम के साथ उतरेंगे। वहीं, साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा ने बताया कि खिताबी मुकाबले में केएल राहुल नहीं खेलेंगे। 13 अगस्त से शुरू होने वाली अफगानिस्तान सीरीज के लिए भारत की टी20 टीम में चुने गए तीन खिलाड़ियों ईशान, वैभव और

तिलक के खेलने को लेकर कुछ अनिश्चितता थी। दलीप ट्रॉफी फाइनल में उनके खेलने पर फैसला भारतीय टीम मैनेजमेंट की मंजूरी पर निर्भर था।

पहले ऐसी खबरें थीं कि दलीप ट्रॉफी फाइनल में इनकी भागीदारी भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मंजूरी पर निर्भर करेगी। फाइनल छह सितंबर से शुरू होने वाला है, ऐसे में ईस्ट जोन और साउथ जोन की टीमें अपने कई बड़े खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरेंगी, हालांकि राहुल के न होने से साउथ जोन को अपने सबसे अनुभवी बल्लेबाज में से एक की कमी खलेगी। दोनों टीमें सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में पहुंची हैं, जिससे टूर्नामेंट की सबसे मजबूत दिखने वाली दो टीमों के बीच मुकाबला होगा।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर दिलीप ट्रॉफी का फाइनल देखने के लिए चेन्नई में मौजूद रहेंगे। अगरकर का वहां होना एक दिलचस्प है, क्योंकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में उनका भविष्य अभी भी तय नहीं है। पारिवारिक वजहों से उन्हें हाल ही में हुई बीसीसीआई की समीक्षा बैठक से छूट दी गई थी, लेकिन अब वह घरेलू टूर्नामेंट के फाइनल मैच में मौजूद रहेंगे।

अगरकर का मौजूदा कार्यकाल चार अक्तूबर तक है। अब यह देखना बाकी है कि क्या बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया चेन्नई में रहने के दौरान उनके कार्यकाल को आगे बढ़ाने के मामले पर उनसे चर्चा करते हैं या नहीं।

इस बीच, बीसीसीआई एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष टीम के लिए नेट गेंदबाजों के रूप में मयंक यादव, कार्तिक त्यागी और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान को जापान ले जाने की योजना बना रहा है।

यह कदम भारत के मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण के एक विशेष अनुरोध के बाद उठाया गया है, क्योंकि बीसीसीआई अपनी तैयारियों के दौरान टीम को अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प प्रदान करना चाहता है।

यह तिकड़ी आधिकारिक भारतीय दल का हिस्सा नहीं होगी और इसके केवल 26 सितंबर को भारत के पहले पुरुष मैच तक ही रुकने की उम्मीद है। एशियाई खेलों के लिए भारत की सहायता व्यवस्था को अंतिम रूप देने पर काम करते हुए बीसीसीआई ने इन तीनों तेज गेंदबाजों के लिए जापानी वीजा के वास्ते आवेदन कर दिया है।

हजारों दर्शकों के बीच यूनानी वायुसेना का फाइटर जेट क्रैश, एयर शो में मचा हड़कंप

एथेंस। यूनान की राजधानी एथेंस में शनिवार को आयोजित वार्षिक हवाई प्रदर्शनी के दौरान बड़ा हादसा हो गया। हजारों दर्शकों के सामने यूनानी वायुसेना का ट्विन-सीट ऋ4 फैंटम लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर जमीन पर जा गिरा। विमान के गिरते ही उसमें आग लग गई। हादसे के बाद मौके पर

अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, शुरूआती जानकारी के मुताबिक घटना में दर्शकों के घायल होने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

उदयपुर पुलिस का अवैध हथियारों और बदमाशों के खिलाफ महाअभियान: अंबामाता फायरिंग के चारों आरोपी 12 घंटे में दबोचे

जयपुर, 05 सितम्बर। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा द्वारा राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए दिए गए निदेशों की अनुपालना में उदयपुर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रही है। जिले में भयमुक्त वातावरण स्थापित करने हेतु जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के

निर्देशन में एक तरफ जहां अपराधियों और अवैध हथियारों के खिलाफ सघन महाअभियान चलाया गया, वहीं दूसरी तरफ अंबामाता थाना क्षेत्र में हुई हवाई फायरिंग की वारदात पर त्वरित एक्शन लेते हुए पुलिस ने महज 12 घंटे से कम समय में सभी चार आरोपियों को दबोच लिया। जिले में आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, मुकुल शर्मा और रजत बिश्नोई के सुपरविजन में जिले भर की पुलिस टीमों ने अपराधियों के खिलाफ एक साथ बड़ा चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के तहत 3/25 आर्म्स एक्ट (फायरिंग एवं अवैध हथियार) के 42 आरोपियों, 221 हिस्ट्रीशीटरों और 07 अन्य सक्रिय बदमाशों के ठिकानों पर दबिश देकर कड़ाई से पूछताछ की गई। पुलिस ने आदतन बदमाशों को धारा 129 इठर के तहत पाबंद किया तथा थाना कुराबड़ पर 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत 01 नया प्रकरण भी दर्ज किया गया।

4 सितंबर की रात करीब 01:17 बजे मल्लातलाई की गरीब नवाज कॉलोनी में पुरानी रंजिश को लेकर मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने मोहम्मद आरिफ और अरबाज खान के मकानों के बाहर बीयर की बोतलें फोड़ीं और अवैध हथियार से हवाई फायरिंग कर दहशत फैला दी। घटना की सूचना मिलते ही एसपी डॉ. अमृता दुहन के आदेश पर रेंज में 'ए-कैटेगरी' की नाकाबंदी कराई गई।

Mob : 7559103199
SHREEJA PILES CLINIC
बिना ऑपरेशन 100% गॅरंटी (आयुर्वेदिक क्षारसूत्र)
Dr. D.A. PATEL
B.A.M.S. (Mumbai)
CCK
Reg. No. I-87432-A-1
मुळव्याध PILES | भगंदर FISTULA | फिशर FISSURE
गाला नं. 12, सरस्वती धाम, एस टी डेपो रोड, जीओ रिलायंस शॉप जवळ, नालासोपारा (प), ता. वसई, जि. पालघर.

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch: 101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch: Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW: 7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

समाज के मार्गदर्शक होते हैं शिक्षक

-रमेश सर्राफ धमोरा

शिक्षक हमारे जीवन में सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं बल्कि सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक भी होते हैं। बचपन की शिक्षा से लेकर करियर बनने तक वह हमें सीखने, समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इसीलिए हमारे देश में शिक्षकों को भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया गया है। शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितंबर शिक्षक दिवस के लिए रूप में मनाया जाता है। शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी बनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है।

हर देश में शिक्षक दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में छह मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में पांच अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन भारत में शिक्षक दिवस को दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में 5 सितंबर 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी।

डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रूप में अपने करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु माँ होती है जो हमें जन्म देते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो कराता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पांय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है। हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया हैः-

गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है। वर्तमान समय में शिक्षकों का समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है। मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। गुरू शिष्य को एक दूसरे की भावनाओं को समझ कर मिलजुल कर ज्ञान की ज्योति जलानी होगी। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी। तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाना सार्थक हो पायेगा। शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक निमार्ता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है। पहले के समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षक और छात्र दोनो ही बदल गये है। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शौक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है। शिक्षक एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ ही और कई भूमिकाएं निभाते है। यह विद्यार्थी के उपर निर्भर करता है कि वह अपने शिक्षक को कैसे परिभाषित करता है। संत तुलसी दास के ने इसे नीचे के पंक्तियों में बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया है। संत तुलसी दास ने बताया है कि भगवान, गुरु एक व्यक्ति को वैसे ही नजर आयेंगे जैसा कि वह सोचेगा। उदहारण के लिए अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण को अपना मित्र मानते थे। वही मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण को अपना प्रेमी। ठीक इसी प्रकार से यह शिक्षक के उपर भी लागू होता है। इसीलिए कहते हैं कि शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है। शिक्षक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थियों से शिक्षकों को ढ़ेर सारी बधाईयां मिलती है।

उत्तर प्रदेश 2027: : चुनावी बिसात और बदलते समीकरण

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति को भारतीय लोकतंत्र का हृदयस्थल माना जाता है। दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ के गलियारों से होकर गुजरता है, यही कारण है कि देश के इस सबसे बड़े सूबे में होने वाली हर छोटी-बड़ी राजनीतिक हलचल का असर राष्ट्रीय फलक पर साफ दिखाई देता है। वर्ष 2026 की समाप्ति के करीब आते ही और 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट के साथ उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों के बीच शह-मात का खेल पूरी तरह से शुरू हो चुका है। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों ने सूबे की राजनीतिक जमीन को जो नई शक्ल दी थी, उसके बाद हर दल अपनी रणनीतियों को धार देने में जुटा है। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार तीसरी बार उत्तर प्रदेश की सत्ता पर काबिज होकर इतिहास रचने की कवायद में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी अपने 'PDA' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉमूर्ले के सहारे दस साल के सत्ता के वनवास को खत्म करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। इस बार का चुनाव केवल पारंपरिक नारों या वादों पर आधारित नहीं रहने वाला, बल्कि यह जमीन पर रची जा रही नई सामाजिक और गठबंधन राजनीति की प्रयोगशाला बनने जा रहा है। इस राजनीतिक उठापटक और नए समीकरणों के निर्माण के बीच हाल ही में लखनऊ से एक बेहद महत्वपूर्ण और रणनीतिक खबर सामने आई, जिसने राज्य के सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव तथा कॉकरोच जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के बीच लखनऊ में लगभग 90 मिनट यानी डेढ़ घंटे तक चली बंद कमरे की मैराथन मुलाकात ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। इस मुलाकात के मायने केवल एक शिष्टाचार भेंट तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह 2027 के महासमर से पहले उत्तर प्रदेश की युवा और छात्र राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। आशुतोष रांका और अखिलेश यादव के बीच हुई इस चर्चा के केंद्र में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के नौजवानों के मुद्दे, लगातार होती परीक्षाओं के पेपर लीक, बेरोजगारी, छात्रों की समस्याएं और उच्च शिक्षा में आ रही गिरावट जैसे विषय शामिल रहे।

पार्टी के भीतर और बाहर इस मुलाकात को 'प्लान 2027' के एक अहम हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया और बेहद जागरूक मतदाता वर्ग तैयार हो चुका है, जिसे राजनीतिक विश्लेषक 'जेन-जी' या पहली बार मतदान करने वाले युवा कहते हैं। यह युवा वर्ग पारंपरिक जातिगत राजनीति से ऊपर उठकर रोजगार, निष्पक्ष परीक्षाओं और आधुनिक अवसरों की मांग कर रहा है। अखिलेश यादव बखूबी जानते हैं कि केवल पारंपरिक मुस्लिम-यादव समीकरण या केवल सामान्य गठबंधनों के बूते भाजपा जैसी विशाल और साधन-संपन्न चुनावी मशीनरी को मात देना असंभव है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद सपा अब छोटे-छोटे वैचारिक समूहों, छात्र संगठनों और युवाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरों को अपने पाले में लाकर भाजपा के उस युवा वोट बैंक में सेंध लगाना चाहती है, जो कभी भगवा दल की सबसे बड़ी ताकत हुआ करता था। रांका और अखिलेश यादव की यह मुलाकात इस बात की तस्दीक करती है कि विपक्ष इस बार युवाओं के आक्रोश को एक ठोस राजनीतिक वोट बैंक में बदलने की मुकम्मल तैयारी कर चुका है। हालांकि, इस मुलाकात पर भाजपा ने भी फौरन तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा प्रवक्ताओं का कहना है कि विपक्ष के पास कोई ठोस नीति या विकास का एजेंडा नहीं है, इसलिए वह केवल भ्रम फैलाने और

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

छोटे-छोटे संगठनों के सहारे अपनी डूबती नैया बचाने का प्रयास कर रहा है। लेकिन राजनीति के जानकार इसे अलग नजरिए से देखते हैं। उनका मानना है कि उत्तर प्रदेश में जब भी कोई बड़ा सत्ता परिवर्तन हुआ है, उसके मूल में युवाओं और छात्रों का आंदोलन या उनका असंतोष ही रहा है। ऐसे में सीजेपी जैसी युवा केंद्रित ताकतों और सपा का करीब आना भविष्य के एक नए और बड़े सामाजिक-राजनैतिक मोर्चे की बुनियाद रख सकता है।

यदि हम उत्तर प्रदेश की समूची राजनैतिक बिसात पर नजर डालें, तो इस समय सबसे बड़ा टकराव नैरेटिव यानी विमर्श गढ़ने को लेकर चल रहा है। समाजवादी पार्टी ने इस बार 'आरक्षण' और 'संविधान' को अपनी राजनीति के केंद्र में रख दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष को 'संविधान बचाओ' के नारे से जो अप्रत्याशित लाभ मिला था, अखिलेश यादव उसे 2027 तक कायम रखना चाहते हैं। हालिया महीनों में उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण की स्थिति, 69000 शिक्षक भर्ती का विवाद और पिछड़े-दलित वर्गों के प्रतिनिधित्व को लेकर सपा ने एक आक्रामक रुख अख्तियार किया है। अखिलेश यादव लगातार जनसभाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि वर्तमान सत्ताधारी दल दलितों और पिछड़ों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश रच रहा है। इस नैरेटिव के जरिए सपा सीधे तौर पर भाजपा के गैर-यादव ओबीसी और गैर-जाटव दलित वोट बैंक पर निशाना साध रही है, जिसने पिछले एक दशक से भाजपा की जीत में रीढ़ की हड्डी का काम किया है।

सपा की इस रणनीति के जवाब में भारतीय जनता पार्टी भी खामोश नहीं बैठी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी संगठन मशीनरी को पूरी तरह से चुनावी मोड में डाल दिया है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका पन्ना प्रमुख और बूथ स्तर का ढांचा माना जाता है। पार्टी ने इस बार कागजी दावों को खारिज करते हुए हर एक बूथ कमेटी का भौतिक सत्यापन शुरू किया है। खासकर उन बूथों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जहां पिछले चुनाव में विपक्ष को बढ़त मिली थी। इसके साथ ही, भाजपा सरकार अपनी कानून-व्यवस्था की सख्त छवि, बुनियादी ढांचे का विकास (जैसे एक्सप्रेसवे और औद्योगिक गलियारे) और केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के एक बड़े नेटवर्क के भरोसे मैदान में उतर रही है। भाजपा का मानना है कि विकास और सुशासन का उनका यह 'डबल इंजन' मॉडल विपक्ष के जातिगत ध्रुवीकरण के प्रयासों को विफल कर देगा। लेकिन इस बार एनडीए गठबंधन के भीतर की आंतरिक खींचतान भी पूरी तरह सतह पर आ चुकी है। गठबंधन में शामिल छोटे दल जैसे निषाद पार्टी के डॉ. संजय निषाद, अपना दल (सोनेलाल) की अनुप्रिया पटेल और सुभासपा के ओम प्रकाश राजभर अपनी राजनीतिक जमीन बचाने और सीटों के सम्मानजनक बंटवारे के लिए भाजपा पर लगातार दबाव बना रहे हैं। हाल ही में एक सार्वजनिक मंच पर निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद के भावुक होने और आंसुओं के छलकने की घटना ने उत्तर प्रदेश की सियासत में भारी उबाल ला दिया था। जहां संजय निषाद ने इसे अपने समाज को हक न मिल पाने की पीड़ा बताया, वहीं अखिलेश यादव ने तुरंत इस पर तंज कसते हुए इसे भाजपा के साथ जाने का 'पश्चाताप और प्रायश्चित' करार दे दिया। यह घटना दर्शाती है कि निषाद और अन्य अति-पिछड़ी जातियों के वोट बैंक को लेकर दोनों पक्षों में कितनी जबर्दस्त रस्साकशी चल रही है। अखिलेश यादव ने साफ कर दिया है कि निषाद समाज भी उनके 'PDA' का एक अभिन्न हिस्सा है और यदि उनकी सरकार आती है, तो वे जातीय जनगणना कराकर हर समाज को उसका वास्तविक हक देंगे। दूसरी तरफ, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच का 'इंडिया' गठबंधन भी एक नाजुक मोड़ पर खड़ा है। यद्यपि अखिलेश यादव और कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने बार-बार यह दोहराया है कि 2027 का विधानसभा चुनाव दोनों दल मिलकर लड़ेंगे, लेकिन जमीनी स्तर पर सीटों के बंटवारे और प्रादेशिक नेतृत्व को लेकर दोनों दलों के स्थानीय नेताओं के बीच महत्वाकांक्षाओं का टकराव साफ दिखाई देता है। कांग्रेस जहां लोकसभा चुनाव के उत्साह के बाद उत्तर प्रदेश में अपने पुराने गौरव को हासिल करने के लिए अधिक सीटों की मांग कर रही है, वहीं समाजवादी पार्टी खुद को बड़े भाई की भूमिका में रखते हुए कांग्रेस को सीमित सीटों पर समेटने की रणनीति बना रही है। इसके अतिरिक्त, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती की खामोशी और उनकी अंदरूनी बैठकें भी इस त्रिकोणीय मुकाबले को और दिलचस्प बना रही हैं। मायावती अपने खिसकते दलित वोट बैंक को सहेजने के लिए नए सिरे से कैडर कैंप आयोजित कर रही हैं। यदि बसपा अपने पारंपरिक वोट को बचाने में सफल रहती है, तो इसका सीधा नुकसान सपा-कांग्रेस गठबंधन को उठाना पड़ सकता है, जिससे अंततः भाजपा को लाभ होने की संभावना बढ़ जाएगी।

सियासत के इस खेल में शह और मात के मोहरे बिछ चुके हैं। जनता शांत है, लेकिन वह हर दल की चालों को बहुत बारीकी से देख रही है। रोजगार की तलाश में भटकता युवा, महंगाई से जूझता आम नागरिक और अपने अधिकारों के प्रति सजग होता जातियों का समूह ही अंततः यह तय करेगा कि 2027 में लखनऊ के सिंहासन पर किसका राजतिलक होगा। फिलहाल, राजनैतिक दलों की यह सरगर्मी और रणनीतिक मुलाकातों का दौर यह बताने के लिए काफी है कि उत्तर प्रदेश का आगामी चुनावी संग्राम बेहद रोमांचक, अप्रत्याशित और भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है।

मथुरा से 2027 का शंखनाद! कृष्ण की नगरी में योगी की ललकार

-सुरेश गांधी

कृष्ण की नगरी में जन्माष्टमी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी ने भक्ति के उत्सव को सियासी संकेतों से भी जोड़ दिया। श्रीकृष्ण जन्मभूमि में दर्शन-पूजन के बाद योगी ने कहा कि अयोध्या और काशी की तर्ज पर मथुरा-वृंदावन में भी भव्य परिसर विकसित होना चाहिए। ब्रज को उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा के अनुरूप सजाने का संकल्प जताते हुए उन्होंने 1051 करोड़ रुपये की 229 विकास परियोजनाओं की सौगात भी दी। लेकिन मंच से निकले शब्दों में विकास से ज्यादा दूर तक जाने वाली राजनीति गूंज थी। योगी ने कहा कि जिनकी आस्था बाबर और औरंगजेब में है, वे सनातन और देश की आस्था का सम्मान नहीं कर सकते। विदेशी आक्रांताओं द्वारा मंदिर तोड़े जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आस्था को मिटाया नहीं जा सका। यही वह बिंदु है जहां 2027 की राजनीति की नई पटकथा पढ़ी जा सकती है। 2017 में अयोध्या के राम और हिंदुत्व के साथ भाजपा ने सत्ता का प्रचंड बहुमत हासिल किया, 2022 में राम मंदिर के साथ कानून-व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाएं भी चुनावी विमर्श के केंद्र में रहीं। अब राम मंदिर के भव्य रूप लेने के बाद मथुरा का कृष्ण जन्मभूमि क्षेत्र स्वाभाविक रूप से अगले बड़े सांस्कृतिक-राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन सकता है। अयोध्या में राम, काशी में विश्वनाथ और अब ब्रज में कृष्ण—क्या 2027 के उत्तर प्रदेश में आस्था, विरासत और विकास की यह त्रयी भाजपा का नया चुनावी नैरेटिव बनेगी? जवाब चुनाव देगा, लेकिन मथुरा से योगी की आज की आवाज ने सवाल जरूर खड़ा कर दिया है

जन्माष्टमी पर कृष्ण की नगरी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं रहा। मथुरा-वृंदावन की धरती से निकली उनकी हुंकार में 2027 के उत्तर प्रदेश की राजनीति की आहट भी सुनाई दी। अयोध्या और काशी के बाद अब ब्रजभूमि को उसी तर्ज पर विकसित करने की घोषणा और साथ ही बाबर-औरंगजेब के बहाने विपक्ष पर निशाना—इन दोनों को एक साथ रखकर देखें तो साफ है कि उत्तर प्रदेश की सियासत में राम के बाद कृष्ण का नया अध्याय खुल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या और काशी के भव्य विकास के बाद अब ब्रजभूमि का विकास भी लोगों की भावनाओं के अनुरूप किया जाएगा। मथुरा-वृंदावन में अयोध्या और काशी की तरह भव्य परिसर विकसित करने की बात कही। इसी मंच से उन्होंने पिछली सरकारों पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि आने से वोटबैंक के कारण हिचकने का आरोप लगाया और सवाल किया कि जिनकी आस्था बाबर और औरंगजेब में है, वे जनता की आस्था का सम्मान कैसे करेंगे? यह महज बयान नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की उस राजनीति का अगला विस्तार है जिसमें आस्था, विरासत और विकास एक-दूसरे के पूरक बनते जा रहे हैं।

लेकिन चुनाव केवल नारों से नहीं जीते जाते। 2012 से 2022 तक का इतिहास यही बताता है कि उत्तर प्रदेश का मतदाता एक ही मुद्दे पर स्थिर नहीं रहता। 2012 में सत्ता परिवर्तन हुआ। 2017 में भाजपा का अभूतपूर्व उभार हुआ। 2022 में भाजपा ने सत्ता बरकरार रखी, मगर सीटें 2017 के मुकाबले घटीं और सपा ने अपनी स्थिति मजबूत की। इसलिए 2027 में कृष्ण जन्मभूमि का सवाल महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अकेला निर्णायक नहीं। रोजगार, महंगाई, किसान, महिला सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, सामाजिक समीकरण, कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, युवाओं की आकांक्षाएं और स्थानीय विकास—इन सबका जोड़ ही चुनाव का परिणाम तय करेगा। यही कारण है कि मथुरा से योगी की आज की हुंकार को केवल मंदिर की घोषणा मानना भी अधूरा होगा और इसे अभी से 2027 की पूरी चुनावी रणनीति मान लेना भी जल्दबाजी। मगर एक बात स्पष्ट है—उत्तर प्रदेश की चुनावी राजनीति में अयोध्या का राम अध्याय समाप्त नहीं हुआ है, काशी का विश्वनाथ अध्याय जारी है और अब ब्रज का कृष्ण अध्याय तेजी से खुल रहा है। 2027 में सवाल सिर्फ यह नहीं होगा कि सत्ता किसकी होगी। सवाल यह भी होगा कि उत्तर प्रदेश के मतदाता के मन में राम, कृष्ण, काम और कल्याण में कौन-सा नैरेटिव सबसे ज्यादा गूंजेगा। मथुरा से आज उठी कृष्ण की बांसुरी की धुन राजनीतिक गलियारों तक पहुंच चुकी है—अब देखना है, 2027 के रण में यह धुन कितनी दूर तक जाती है।

2012 : जब साइकिल दौड़ी थी

2012 का उत्तर प्रदेश चुनाव आज की राजनीति को समझने की पहली सीढ़ी है। उस चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 403 में से 224 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया था। बसपा 80 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि भाजपा को महज 47 सीटें मिलीं। सपा का वोट शेयर करीब 29.15 प्रतिशत और भाजपा का 15 प्रतिशत रहा। यह वह दौर था जब उत्तर प्रदेश की राजनीति का केंद्रीय विमर्श सामाजिक समीकरण, सत्ता परिवर्तन और कानून-व्यवस्था के इर्द-गिर्द था। भाजपा तब राज्य की राजनीति में तीसरे स्थान पर थी। मगर पांच साल बाद तस्वीर ऐसी बदली कि उत्तर प्रदेश का राजनीतिक भूगोल ही बदल गया।

2017: राम की पृष्ठभूमि में भाजपा का भगवा उभार

2017 में भाजपा ने 312 सीटें जीतकर ऐसी प्रचंड वापसी की, जिसने प्रदेश की राजनीति के पुराने समीकरणों को उलट दिया। भाजपा का वोट शेयर करीब 39.7 प्रतिशत पहुंचा। सपा 47 और बसपा 19 सीटों तक सिमट गई। यह सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं था। यह राजनीतिक नैरेटिव के परिवर्तन का चुनाव था। भाजपा ने हिंदुत्व, कानून-व्यवस्था, विकास और नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को एक साथ साधा। इसी दौर में योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने और प्रदेश की राजनीति में एक नया चेहरा केंद्र में आया। राम मंदिर का सवाल तब भी मौजूद था, लेकिन वह अभी निर्माण की वास्तविकता नहीं बना था।

2022 : राम मंदिर से आगे काम, कानून और राशन का चुनाव

2022 में भाजपा की सीटें घटकर 255 हुईं, लेकिन वह फिर भी स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटी। सहयोगियों के साथ उसका आंकड़ा 273 तक पहुंचा। समाजवादी पार्टी 111 सीटों पर पहुंची, जबकि बसपा केवल एक सीट जीत सकी। भाजपा का वोट शेयर करीब 41.3 प्रतिशत रहा। 2022 का चुनाव केवल मंदिर के भरोसे नहीं जीता गया। भाजपा के पक्ष में कानून-व्यवस्था, मुफ्त राशन, कल्याणकारी योजनाएं, बुनियादी ढांचे का विकास और राम मंदिर निर्माण को एक साथ रखा गया। चुनावी विश्लेषणों में भी मुफ्त राशन और कानून-व्यवस्था को महत्वपूर्ण कारक माना गया। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण शुरू हो चुका था और भाजपा उसे अपने लंबे राजनीतिक वादे की पूर्ति के रूप में प्रस्तुत कर रही थी। यानी 2017 में राम एक राजनीतिक प्रतीक थे, तो 2022 में राम मंदिर निर्माण एक दिखाई देने वाली उपलब्धि बन चुका था।

और अब 2027 : राम से कृष्ण तक

यहीं से आज का मथुरा महत्वपूर्ण हो जाता है। अयोध्या में मंदिर निर्माण की कहानी आगे बढ़ चुकी है। काशी विश्वनाथ धाम का मॉडल सामने है। अब मुख्यमंत्री का कहना कि ब्रजभूमि को भी अयोध्या और काशी की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, आने वाले चुनावी विमर्श को नई दिशा देने वाला संदेश माना जा सकता है। मथुरा-वृंदावन के साथ गोवर्धन, बरसाना और नंदगांव का पूरा ब्रज क्षेत्र धार्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत और आस्था के बड़े केंद्र के रूप में सामने है। मुख्यमंत्री ने इन क्षेत्रों में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं को बेहतर करने पर भी जोर दिया। अयोध्या में राम। काशी में विश्वनाथ। विंध्याचल में मां विंध्यवासिनी। और अब ब्रज में कृष्ण। उत्तर प्रदेश की राजनीति के सांस्कृतिक मानचित्र पर यह एक ऐसा त्रिकोण बनाता दिख रहा है, जिसकी गूंज 2027 तक सुनाई दे सकती है।

बाबर-औरंगजेब : इतिहास से वर्तमान की राजनीति तक

योगी ने आज बाबर और औरंगजेब का उल्लेख करते हुए कहा कि जिनकी आस्था इन ऐतिहासिक आक्रांताओं में है, वे जनता की आस्था का सम्मान कैसे कर सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे तत्व समाज में जहर घोलने की कोशिश कर रहे हैं। यह वही राजनीतिक शैली है जिसमें अतीत को वर्तमान की राजनीतिक पहचान से जोड़ा जाता है। भाजपा के लिए यह सांस्कृतिक अस्मिता और बहुसंख्यक एकजुटता का संदेश है। विपक्ष के लिए चुनौती यह है कि वह इस विमर्श का जवाब किस तरह देता है—सिर्फ विरोध के रूप में या फिर विकास, रोजगार, सामाजिक न्याय और धार्मिक पर्यटन के अपने वैकल्पिक मॉडल के साथ।

बंटेंगे तो कटेंग से आगे की पटकथा?

2024 में योगी आदित्यनाथ का बंटेंगे तो कटेंगे नारा उत्तर प्रदेश की राजनीति में बड़ा चुनावी विमर्श बना। भाजपा ने इसे हिंदू एकता और सामाजिक एकजुटता के संदेश के रूप में आगे बढ़ाया, जबकि अखिलेश यादव ने इसके जवाब में जुड़ेंगे तो जीतेंगे का नारा दिया। अब 2027 की ओर बढ़ते हुए सवाल यह है कि क्या यह राजनीतिक भाषा मथुरा के कृष्ण विमर्श से जुड़कर और व्यापक होगी? राम—आस्था का प्रतीक। कृष्ण—रणनीति और कर्म का प्रतीक। और बंटेंगे तो कटेंगे—राजनीतिक एकजुटता का नारा। आज योगी ने अपने भाषण में श्रीकृष्ण के गीता संदेश—कर्तव्य और निष्काम कर्म—को भी विकास और राष्ट्र निर्माण से जोड़ा। यानी कृष्ण को केवल मंदिर तक सीमित नहीं किया गया, बल्कि कर्म, कर्तव्य, विकास और राष्ट्र निर्माण के विमर्श से भी जोड़ा गया।

सरकारी अधिकारियों के लिए सोशल मीडिया आचार संहिता

-प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने लोगों के संवाद करने, सूचना प्राप्त करने और खुद को दुनिया के सामने पेश करने के तरीके को बदल दिया है। जी हां, सरकारी अधिकारी भी इससे अछूते नहीं हैं। सोशल मीडिया, चाहे वह रील्स हों, छोटे वीडियो हों, व्यक्तिगत पोस्ट हों, कहानियां हों या विचार हों, सरकारी कर्मचारियों की दिनचर्या का अभिन्न अंग बन गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म सरकार और नागरिकों के बीच बेहतर संचार की अपार संभावनाएं प्रदान करते हैं, लेकिन सरकारी अधिकारियों द्वारा इनका अत्यधिक उपयोग या दुरुपयोग प्रशासनिक अनुशासन, निष्पक्षता, जनविश्वास और सार्वजनिक गरिमा से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े करता है।

सरकारी अधिकारियों के लिए प्रस्तावित सोशल मीडिया आचार संहिता का मसौदा सही समय पर आया है। सवाल यह नहीं है कि ₹क्या अधिकारियों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए?₹ उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए। सवाल यह है कि सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल किस तरह करना चाहिए।

सरकारी कर्मचारियों के बीच प्रचलित आचरण के नियम उस युग में लिखे गए थे जब सोशल मीडिया का अस्तित्व नहीं था। जाहिर है, इन नियमों को बनाने वालों ने इनकी कल्पना नहीं की होगी, क्योंकि वे ऐसे प्लेटफॉर्म के विकास की कल्पना नहीं कर सकते थे जो किसी एक व्यक्ति को पल भर में एक वीडियो प्रकाशित करने की अनुमति देता है, जिसे लाखों लोग देख सकते हैं और लाखों लोगों की राय का समर्थन प्राप्त कर सकते हैं।

ड्यूटी के दौरान सोशल मीडिया का उपयोग सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। लोक सेवकों का कार्य सार्वजनिक कार्यों पर काम करना, सार्वजनिक व्यवसायियों की सेवा करना, सार्वजनिक नीतियों को लागू करना और प्रशासनिक दक्षता का प्रबंधन करना है। यदि किसी कर्मचारी का कार्य समय मनोरंजन से संबंधित सामग्री देखने, बनाने या साझा करने में व्यतीत होता है, तो इससे उत्पादकता और अंततः सार्वजनिक सेवा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सरकार को सोशल मीडिया को अपने कर्तव्यों के निर्वाह में बाधा नहीं बनने देना चाहिए।

यह मान लेना भी गलत होगा कि अधिकारियों की सोशल मीडिया पर की जाने वाली सभी गतिविधियाँ अवांछनीय हैं। सोशल मीडिया अब शासन का एक महत्वपूर्ण साधन बन गया है। जिला प्रशासक, पुलिस अधिकारी, शिक्षक, स्वास्थ्य अधिकारी और अन्य सरकारी कर्मचारी जैसे सार्वजनिक अधिकारी सरकारी कार्यक्रमों, आपातकालीन सूचनाओं, जन जागरूकता पहलों और नागरिक सेवाओं के बारे में उपयोगकर्ताओं से जुड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। आपदाओं, महामारियों और अन्य आपात स्थितियों के समय प्रशासन और नागरिकों के बीच त्वरित और प्रत्यक्ष संचार में सोशल मीडिया सहायक हो सकता है।

प्रस्तावित संहिता को जिम्मेदार आधिकारिक पत्राचार और वैध उपयोग और दुरुपयोग (जहां यह सार्वजनिक क्षेत्र की गरिमा या निष्पक्षता को कम नहीं करता है) के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

व्यक्तिगत प्रचार भी एक चिंता का विषय है। सरकारी अधिकारी कभी-कभी ऐसी जानकारी प्रकाशित करते हैं जो सरकारी गतिविधियों, जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों, प्रशासनिक गतिविधियों या सरकारी कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी को दशार्ती है। नागरिकों को सरकारी कार्यों के बारे में शिक्षित करने और सरकार के प्रतिनिधि के रूप में स्वयं का प्रचार करने के बीच का अंतर स्पष्ट है। लोक प्रशासन व्यक्तिगत ब्रांड बनाने की गतिविधि नहीं है। जब कोई अधिकारी अपनी छवि बनाने की ओर अग्रसर होता है, तो सार्वजनिक सेवा और आत्म-प्रचार के बीच का अंतर धुंधला होने लगता है। सरकारी अधिकारियों को सरकार और नागरिकों द्वारा प्रदत्त शक्ति प्राप्त होती है। इसलिए उन्हें सार्वजनिक संसाधनों, सरकारी योजनाओं या आधिकारिक पदों का उपयोग व्यक्तिगत प्रसिद्धि के लिए सोशल मीडिया पर प्रचारित नहीं करना चाहिए। लेकिन, किसी भी सोशल मीडिया आचार संहिता का आधार संवैधानिक मूल्य होने चाहिए। सरकारी कर्मचारी जब सार्वजनिक सेवा में आते हैं तो वे नागरिक बने रहते हैं, और उनकी नागरिकता और लोकतांत्रिक अधिकारों को छीना नहीं जा सकता। उनके कुछ मूलभूत अधिकार होते हैं जिन्हें केवल उनकी सेवा के संदर्भ में ही उचित रूप से प्रतिबंधित किया जा सकता है। कोई भी आचार संहिता जो व्यक्तिगत विचारों की वैध अभिव्यक्ति को प्रतिबंधित करे, आलोचना को हतोत्साहित करे या अधिकारियों को असहज करे, हानिकारक होगी।

लक्ष्य सरकारी कर्मचारियों को बोलने से रोकना नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके लिए ज़िम्मेदार सीमाएँ निर्धारित करना होना चाहिए। अधिकारियों को गोपनीय जानकारी के खुलासे, राजनीतिक प्रचार, अपुष्ट जानकारी साझा करने, घृणास्पद भाषण, उत्पीड़न, हितों के टकराव, आधिकारिक तस्वीरों और लोगो के दुरुपयोग, संवेदनशील दस्तावेजों के खुलासे और सरकारी नीति के अनुचित प्रस्तुतीकरण से संबंधित सभी मुद्दों की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। संहिता में व्यक्तिगत और आधिकारिक बयान के बीच अंतर स्पष्ट करना भी आवश्यक है। यदि कोई नागरिक सरकारी अधिकारी के रूप में व्यक्तिगत बयान देता है, तो उसे सरकार की आधिकारिक आवाज माना जा सकता है, भले ही अधिकारी का इरादा सरकार का प्रतिनिधि बनने का न हो। इसलिए, अस्वीकरण देना, पारदर्शिता बनाए रखना और ज़िम्मेदारी से संवाद करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बालोतरा में 2 किलो 45 ग्राम मेफेड्रोन के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

◆एंटी-नारकोटिक्स सेल-1 काशिमीरा की बड़ी कार्रवाई; ड्रग्स, वाहन समेत 82.35 लाख की सामग्री जब्त

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशिमीरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले की जांच के दौरान एंटी-नारकोटिक्स सेल-1 काशिमीरा ने राजस्थान के बालोतरा जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए अपराध में वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 45 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स, एक महिंद्रा स्कॉर्पियो वाहन सहित कुल 82,35,750 मूल्य की कीमती वस्तुएं एवं प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई है। काशिमीरा पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 280/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 8(ए), 22(ए) एवं 29 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच एंटी-नारकोटिक्स सेल-1 द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों तक राजस्थान पहुंची पुलिस, मामले की जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इस कार्रवाई में पहले 16 लाख 80 हजार रुपये मूल्य का 100 ग्राम मेफेड्रोन जब्त की गई थी। इसके बाद एंटी-नारकोटिक्स सेल-1 की टीम अपराध में वांछित आरोपियों की तलाश में राजस्थान के बालोतरा जिले के लिए रवाना हुई। पुलिस टीम ने बालोतरा जिले की पाटोदी तहसील के नवोरा बेरा क्षेत्र में आरोपियों की तलाश शुरू की। तकनीकी एवं गुप्त सूचना के आधार

पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार हुई– 1. कम्मे मोबिन खां (36), निवासी पाटोदी तहसील, जिला बालोतरा, राजस्थान। 2. अशोक कुमार मंगिलाल दाडी, (20), निवासी जिला बाड़मेर, राजस्थान। 3. नरेंद्र कुमार धनाराम बंगडवा (29), निवासी जिला बालोतरा, राजस्थान। 61.35 लाख रुपये की एमडी बरामद पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से व्यावसायिक मात्रा में 2 किलो 45 ग्राम मेफेड्रोन बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 61,35,000 बताई गई है। इसके अलावा मामले में आरोपी वीरधरम देवराम देवासी (20), निवासी जिला बाड़मेर, से महिंद्रा स्कॉर्पियो क्रमांक GJ-18-EB-1049 जब्त की गई है। ड्रग्स और वाहन समेत इस पूरी कार्रवाई में पुलिस ने कुल 82,35,750 मूल्य की मेफेड्रोन एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्री जब्त की है। ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क की जांच जारी पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच में यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपियों को ड्रग्स की आपूर्ति कौन करता था और इसे मीरा-भायंदर क्षेत्र में किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों के सहयोगियों तथा बिक्री के लिए ड्रग्स की आपूर्ति करने वाले अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। मामले में ड्रग्स के पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करने के लिए जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिन्त्रे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे तथा संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। अभियान में एंटी-नारकोटिक्स सेल-1 के प्रभारी समीर शेख सहित अधिकारी एवं पुलिस कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में निखिल चव्हाण, सागर साबले, पुष्पेंद्र थापा, पवन पाटिल, प्रदीप टक्के, पोहवा. सचिन घेरे, पोहवा. सुभाष आव्हाड, पोहवा. विनोद आवले, मपोहवा. लतादेवी एक्कलदेवी, पोहवा. विजय लवटे तथा पोहवा. रोहन बाबर शामिल रहे एंटी-नारकोटिक्स सेल-1 की इस कार्रवाई से राजस्थान तक फैले मेफेड्रोन सप्लाई नेटवर्क पर पुलिस की बड़ी चोट मानी जा रही है।

सभापति मेमोरियल हाई स्कूल व जूनियर कॉलेज में भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पालघर के बोईसर स्थित धनानी नगर में सभापति मेमोरियल हाई स्कूल व जूनियर कॉलेज में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर भक्तिमय एवं आनंदमय वातावरण से सराबोर रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों एवं शिक्षाओं को दर्शाते हुए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण एवं राधा की मनमोहक वेशभूषा, भक्ति गीत, नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा आकर्षक झांकियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने पूरे कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस पावन अवसर पर विद्यालय के ट्रस्टी प्रदीप पाठक विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, कर्म, प्रेम, कर्तव्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कारों को भी महत्व देने के लिए प्रेरित किया। प्रदीप पाठक ने विद्यार्थियों की सुंदर प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य, मुख्याध्यापिका, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टाफ के अथक प्रयासों के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं। पूरे विद्यालय में जय श्रीकृष्ण के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

बोईसर शुक्ला कम्पाउंड में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

श्री कृष्ण जन्मोत्सव मंडल का दो दिवसीय आयोजन संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। शुक्ला कम्पाउन्ड, बोईसर में श्री कृष्ण जन्मोत्सव मंडल की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर दो दिवसीय श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का भव्य आयोजन पालघर जिले में बोईसर शहर अंतर्गत शुक्ला कम्पाउंड में स्थित श्री ओंकारेश्वर शिव मंदिर प्रागंण में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। वर्ष 1995 से निरंतर आयोजित हो रहे इस धार्मिक आयोजन की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सपरिवार उपस्थित होकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन-पूजन का लाभ लिया।

आयोजन का शुभारंभ 3 सितंबर 2026 की सुबह विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ से हुआ। चौपाइयों और भजनों की मधुर गूंज से शुक्ला कम्पाउन्ड का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। 24 घंटे चले अखंड पाठ की पूणार्हुति के पश्चात 4 सितंबर को भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण उज्जवल म्यूजिकल ग्रुप द्वारा प्रस्तुत भव्य भजन संध्या रही। सुप्रसिद्ध गायिका प्रिया झा, गायक मुकेश तिवारी एवं गायक विकास चौधरी ने एक से बढ़कर एक सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते और जयकारे लगाते नजर आये। संगीत मंच पर व्यवस्थापक चंदन दुबे (ढोलक), विजय भाई (पैड) और श्री राम भाई (बेंजो) ने शानदार संगत करते हुए भजन संध्या में चार चांद लगा दिए। मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के पावन अवसर पर मुख्य पूजा एवं महाआरती विधि-विधान से संपन्न हुई। बाल गोपाल के प्राकट्य के साथ ही पूरा परिसर ' हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण का पूजन कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की। इसके बाद श्रद्धालुओं में महाप्रसाद का वितरण किया गया। पूरे धार्मिक अनुष्ठान को पुरोहित आचार्य पंडित प्रेमशंकर तिवारी के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया। इस भव्य आयोजन के मुख्य आयोजक राजकुमार जायसवाल रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडल के प्रमुख सदस्यों जे. बी. सिंह, सुशील पाण्डेय, बी. एम. पाण्डेय, अमित सिंह, जगदीश गोस्वामी, पवन उपाध्याय, आर. टी. त्रिपाठी, दिनेश मिश्रा, विनय सिंह, रामभुवाल यादव, प्रदीप पाण्डेय, मनोज गोस्वामी व राकेश सक्सेना का विशेष योगदान रहा। शुक्ला कम्पाउन्ड के समस्त रहिवासियों ने सपरिवार कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी कलाकारों, श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने कर्नाटक सरकार के सहयोग से 27वें 'टीसीएस रूरल आईटी क्विज' की शुरूआत की

मुंबई/पटना। सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं, कंसल्टिंग और व्यवसाय समाधान प्रदान करने वाली, विश्व स्तर की अग्रणी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और बीटी विभाग ने मिलकर 27वें 'टीसीएस रूरल आईटी क्विज' के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करने की घोषणा की है। 'बेंगलुरु टेक समिट 2026' के एक अहम हिस्से के रूप में आयोजित होने वाले इस क्विज में ऑनलाइन टेस्ट, वर्चुअल क्विज राउंड और आमने-सामने (इन-पर्सन) होने वाले मुकाबले शामिल होंगे। इस प्रतियोगिता में भारत भर के छोटे शहरों और ग्रामीण जिलों के कक्षा 8 से 12वीं तक के छात्र भाग ले सकते हैं। हालांकि, नगर निगम की सीमा में आने वाले स्कूलों के छात्र इसमें हिस्सा नहीं ले सकेंगे। ग्रामीण छात्रों के लिए देश के पहले आईटी क्विज के रूप में 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज यह प्रतियोगिता युवाओं में प्रौद्योगिकी और नवाचार के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार की गई है। इस क्विज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, बिजनेस और टेक्नोलॉजी के नए ट्रेंड्स जैसे कई विषय शामिल होंगे। साथ ही बैंकिंग, शिक्षा, मनोरंजन, रोबोटिक्स, मीडिया, स्पोर्ट्स, गेमिंग और सोशल नेटवर्किंग जैसे क्षेत्रों पर आईटी के प्रभाव से जुड़े सवाल भी पूछे जाएंगे।

किआ ने वैश्विक पहचान वाली 'किआ सोरेंटो' भारत में लॉन्च की

मुंबई। किआ इंडिया ने वैश्विक पहचान वाली 'किआ सोरेंटो' को भारत में लॉन्च कर दिया है, और इसके साथ ब्रांड ने भारत के प्रीमियम थ्री-रो एसयूवी सेगमेंट में कदम रखा है। शुरूआती कीमत डीजल के लिए 27.99 लाख रुपये और हाइब्रिड के लिए 29.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। किआ के सबसे कामयाब एसयूवी नामों में से एक भारतीय ग्राहकों तक लाने के साथ इस लॉन्च से भारत में किआ की पहली हाइब्रिड पेशकश भी आ रही है। साथ ही भारत में बनी सोरेंटो के साथ रियल-टाइम जेनरेटिव एआई वाला किआ एआई असिस्टेंट दुनिया में पहली बार आ रहा है, जिससे यह अपने सेगमेंट में यह क्षमता देने वाली पहली गाड़ी बन गई है। किआ के वैश्विक डिजाइन दर्शन के साथ अगली पीढ़ी की इन-कार तकनीक, एडवांस्ड सुरक्षा, प्रीमियम आराम और पावरट्रेन के ज्यादा विकल्प जोड़कर सोरेंटो को इस तरह बनाया गया है कि यह भारत में प्रीमियम एसयूवी ग्राहकों की बदलती उम्मीदों पर खरी उतरे। किआ सोरेंटो की आधिकारिक डिलीवरी 4 सितंबर 2026 से पूरे देश में शुरू हो गयी है।

किआ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ श्री ग्वांगगू ली ने कहा, श्किआ सोरेंटो का आना किआ इंडिया के सफर का एक निर्णायक पड़ाव है, क्योंकि हम पहली बार प्रीमियम थ्री-रो एसयूवी में उतर रहे हैं। और हम ऐसा किआ के सबसे कामयाब वैश्विक नामों में से एक के साथ कर रहे हैं, यानी भारतीय ग्राहकों को अब तक की सबसे उन्नत सोरेंटो मिल रही है। भारत में, भारत के लिए बनी यह गाड़ी ग्राहकों को इस सेगमेंट में एक दमदार नया विकल्प देती है।

ब्रह्माकुमारीज राजयोग सेंटर, पास्थल में कृष्ण जन्माष्टमी पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार 4 सितंबर 2026 को ब्रह्माकुमारीज राजयोग सेंटर, पास्थल द्वारा हार्मनी हॉल में भव्य एवं आध्यात्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन बी.के. हीरल दीदी एवं बी.के. आशा दीदी के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर हार्मनी हॉल में भगवान श्रीकृष्ण की सुंदर एवं आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि अपने भीतर छिपे दैवी संस्कारों, पवित्रता, प्रेम, शांति और दिव्यता को जागृत करने का भी पावन अवसर है।

श्रीकृष्ण के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेकर प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में श्रेष्ठ परिवर्तन ला सकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीआईएसएफ कमांडेंट आसू सिंघल, मूनलाइट इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर एस.के. सिंघ, ठढउक्छ के सेवानिवृत्त एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुधीर शेलके उपस्थित रहे। साथ ही रोटेरी क्लब बोईसर तारापुर से तत्कालीन प्रेसिडेंट रामनारायण गोयल तथा पास्ट प्रेसिडेंट जगदीश भूते ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में बच्चों एवं बड़ों ने विभिन्न मनमोहक नृत्य एवं गीतों की प्रस्तुतियां देकर पूरे वातावरण को कृष्णमय बना दिया। वहीं रोटेरियन बी.के. गोपाल पाटील ने भावपूर्ण भजन प्रस्तुत कर कार्यक्रम में आध्यात्मिक रंग भर दिया और उपस्थित जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया। ब्रह्माकुमारीज राजयोग सेंटर द्वारा समय-समय पर ऐसे आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिनके माध्यम से भारतीय पर्वों एवं त्योहारों के यथार्थ आध्यात्मिक अर्थ से लोगों को परिचित कराया जाता है तथा उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक एवं श्रेष्ठ परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया जाता है। ब्रह्माकुमारीज राजयोग सेंटर, पास्थल में जीवन में श्रेष्ठ परिवर्तन लाने के उद्देश्य से निःशुल्क राजयोग का प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान समय की भागदौड़, तनाव और अशांति के बीच राजयोग आत्मिक शांति, सकारात्मक सोच एवं आंतरिक शक्ति प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम है, जिसकी आवश्यकता आज प्रत्येक मनुष्य को है।

घाटकोपर में गोविंदाओं के थर से शिक्षकों को मान की सलामी

घाटकोपर (उत्तरशक्ति)। शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से घाटकोपर-असाल्फा में शिवसेना के नगरसेवक किरण भाऊ लांडगे की ओर से अनोखे दहीहंडी उत्सव का आयोजन किया गया। गोविंदाओं द्वारा बनाए गए मानवंदना के थरों के माध्यम से शिक्षकों को मान की सलामी देकर उनके शैक्षणिक एवं सामाजिक योगदान का सम्मान किया गया।

इस दहीहंडी समारोह में उपनगर के विभिन्न स्कूलों के शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों का विशेष सम्मान करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। दहीहंडी उत्सव में महिला एवं पुरुष गोविंदा पथकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए चार, पांच, छह, सात और आठ थरों के मानवंदना मनोरे बनाए। गोविंदाओं के उत्साहपूर्ण जयघोष और ढोल-ताशों की गूंज से पूरा परिसर भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण माहौल से सराबोर हो गया।

शिक्षकों के सम्मान के लिए आयोजित इस अनोखे दहीहंडी उत्सव के माध्यम से गोविंदाओं के थर से शिक्षकों को सलाम का संदेश दिया गया। इस पहल की उपस्थित शिक्षकों, गोविंदा पथकों और नागरिकों ने सराहना की।

शराबखाने से मोबाइल चोरी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

◆काशीगांव पुलिस की अपराध जांच शाखा की बड़ी कार्रवाई; 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपी तक पहुंची पुलिस, 2.28 लाख का मोबाइल बरामद

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने मोबाइल चोरी के मामले में एक 19 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2,28,696 कीमत का मोबाइल फोन बरामद किया है। जांच में आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त 2026 को शाम करीब 5 बजे शिकायतकर्ता नईम मोहम्मद हमदुल्ला चौधरी, निवासी राधेकृष्ण सोसायटी, ढाचकुल पाड़ा, मीरा रोड पूर्व, के घर की खिड़की से ओप्पो कंपनी का एफ-19 प्रो मोबाइल फोन चोरी हो गया था। चोरी हुए मोबाइल का IMEI नंबर 833782051478070 बताया गया है। शिकायतकर्ता ने 27 अगस्त 2026 को रात 9:18 बजे काशीगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 305 के तहत अपराध दर्ज किया गया। 50 से अधिक CCTV फुटेज खंगाले, मामला दर्ज होते ही वरिष्ठ अधिकारियों ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की तत्काल तलाश के निर्देश दिए। काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच टीम ने ढाचकुल पाड़ा, मीनाक्षी नगर, मांडवी पाड़ा और मसाचा पड़ा पाड़ा क्षेत्र में लगे 50 से अधिक CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले। CCTV फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसके लिए जाल बिछाया। आखिरकार उसे मीनाक्षी नगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सनमदीप सुरेश वाल्मिक (19) के रूप में हुई है। आरोपी मीनाक्षी नगर, काशीगांव, मीरा रोड क्षेत्र में रहता है और मूल रूप से मतलोधा, जिला जींद, हरियाणा का निवासी बताया गया है। कई मामलों में आरोपी का नाम सामने आया, पुलिस जांच में आरोपी के खिलाफ काशीगांव पुलिस स्टेशन में पहले से भी कई मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा काशीगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज 2026 के करीब दस अन्य अपराधों में अपनी संलिप्तता बताए जाने की जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ दर्ज एवं उसके द्वारा बताए गए मामलों में मुख्य रूप से इठर की धारा 305 सहित अन्य धाराओं के तहत अपराध शामिल हैं। 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी की भी जांच, जांच में आरोपी से संबंधित करीब 15 अलग-अलग कंपनियों से लगभग 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस अब इन मामलों की भी जांच कर रही है तथा आरोपी की आपराधिक गतिविधियों और उसके संभावित साथियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से चोरी का ओप्पो एफ-19 प्रो मोबाइल फोन, जिसकी कीमत 2,28,696 बताई गई है, बरामद किया गया है।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर पालघर पुलिस की तैयारी तेज

पालघर(उत्तरशक्ति)। आगामी श्रीगणेशोत्सव व अन्य त्यौहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पालघर पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार 2 सितंबर 2026 को जिला नियोजन समिति सभागृह, जिलाधिकारी कार्यालय, पालघर में जिलास्तरीय समन्वय एवं शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आगामी उत्सवों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाये रखने, यातायात नियमन, जुलूस के मार्ग, भीड़ नियंत्रण तथा महिला एवं बच्चों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने उत्सव के दौरान ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण रखने तथा डीजे के बजाय पारंपरिक वाद्ययंत्रों के उपयोग पर जोर दिया। पुलिस प्रशासन ने सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली अफवाहों, आपत्तिजनक पोस्ट अथवा गलत जानकारी पर विशेष नजर रखने की आवश्यकता भी व्यक्त की। नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी अफवाह अथवा भ्रामक जानकारी पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें और ऐसी सामग्री को आगे प्रसारित न करें। बैठक में सभी समाजों के नागरिकों से एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं एवं परंपराओं का सम्मान करते हुए सामाजिक सद्भाव, भाईचारा और शांति बनाए रखने का आहवान किया गया। प्रशासन ने गणेशोत्सव एवं दहीहंडी उत्सव को अनुशासन, सुरक्षा और आपसी सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख ने कहा कि श्रीगणेशोत्सव एवं दहीहंडी उत्सव को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए पालघर पुलिस दल पूरी तरह तैयार है। उन्होंने नागरिकों से प्रशासन एवं पुलिस को सहयोग करने की अपील करते हुए आगामी दोनों उत्सवों के लिए जिलेवासियों को शुभकामनाएं दीं। इस बैठक में पालघर के पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख, अपर जिलाधिकारी दत्तात्रय कवितके, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले तथा निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे सहित पुलिस एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा शांति समिति एवं मोहल्ला समिति के सदस्य, गणेश मंडलों के अध्यक्ष व पदाधिकारी, दहीहंडी आयोजक, पुलिस पाटील, जिले के गणमान्य नागरिक व पत्रकार बैठक में शामिल रहे।

काशीगांव पुलिस का बड़ा वार, हेरोइन तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़

◆दो महिलाओं से 98 ग्राम हेरोइन बरामद; जांच आगे बढ़ी तो तीन और आरोपी गिरफ्तार, कुल 5 आरोपी पुलिस के शिकंजे में

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हेरोइन तस्करी के एक नेटवर्क का पदार्फाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 98.41 ग्राम हेरोइन और 14.05 ग्राम एमडी सहित अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की है। जब्त मादक पदार्थों एवं अन्य सामान की कुल कीमत 42,17,200 बताई गई है। पुलिस ने इस कार्रवाई में कुल 43,52,670 की संपत्ति जब्त की है। आरटीओ कार्यालय के सामने दो महिलाएं गिरफ्तार पुलिस के

अनुसार, 15 अगस्त 2026 को शाम करीब 5:15 बजे जे.पी. बैंक रोड, आरटीओ कार्यालय के सामने, घोड़बंदर शिपिंग रोड, मीरा रोड पूर्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान दो महिलाओं को संदिग्ध गतिविधि में पकड़ा गया। उनकी पहचान राजनांदिनी कुमारी गौरी शर्मा (24) और रेशमा सैदुल शेख (28) के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उनके पास से 98 ग्राम हल्के भूरे रंग की हेरोइन बरामद हुई। हेरोइन को 41 पारदर्शी प्लास्टिक पाउच में रखा गया था। बरामद हेरोइन की कीमत करीब 39,36,400 बताई गई है। इसके अलावा अन्य सामान भी बरामद हुआ, जिससे कुल जब्ती का मूल्य करीब 40,26,400 बताया गया है। पुलिस के अनुसार दोनों महिलाएं हेरोइन बेचने के उद्देश्य से वहां पहुंची थीं और बिक्री की तैयारी में थीं, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पंडित दीनदयाल उपाध्याय विश्वविक्रमी रोजगार महाकुंभ के लिए व्यापक तैयारी

मुंबई। पंडित दीनदयाल उपाध्याय विश्वविक्रमी रोजगार महाकुंभ का आयोजन आगामी 29 सितंबर को किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी पहल को सफल बनाने के लिए पूरे महाराष्ट्र में व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। राज्य के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास विभाग तथा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के समन्वय से आयोजित किए जाने वाले रोजगार मेलों और प्लेसमेंट ड्राइव को लेकर आज मंत्रालय से राज्यव्यापी ऑनलाइन बैठक हुई। बैठक में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटील तथा कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा उपस्थित रहे। बैठक में रोजगार महाकुंभ के माध्यम से युवाओं को रोजगार के लिए एक प्रभावी

मंच उपलब्ध कराने पर विशेष रूप से चर्चा की गई। इस पहल के तहत पूरे राज्य में 1,000 रोजगार मेले आयोजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग से सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए राज्य के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत अधिक से अधिक विद्यार्थियों एवं युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने पर जोर दिया गया। बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि युवाओं में रोजगार हासिल करने की क्षमता और इच्छाशक्ति होने के बावजूद कई बार उन्हें उचित मार्गदर्शन और रोजगार के उपयुक्त अवसरों तक पहुंचने के लिए आवश्यक मंच नहीं मिल पाता। विश्वविक्रमी रोजगार महाकुंभ के माध्यम से इस अंतर को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया जाएगा। युवाओं को रोजगार के लिए बेहतर तरीके से तैयार करने के लिए 'सात दिवसीय प्री-प्लेसमेंट ट्रेनिंग आयोजित की जाएगी। इसमें नौकरी के लिए आवश्यक तैयारी, व्यक्तित्व विकास और इंटरव्यू का प्रभावी तरीके से सामना करने से संबंधित मार्गदर्शन दिया जाएगा।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्णः प्रो.राकेश कुमार सिंह

पीयू में शिक्षक दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर स्थित भारत के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि ह्वशिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निमार्ता होते हैं। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण की सबसे प्रभावी प्रक्रिया है ह्व उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है।

कुलपति ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल तकनीक सूचना उपलब्ध करा सकती हैं, किंतु संवेदनशीलता, नैतिकता, मानवीय मूल्यों और विवेक का विकास केवल शिक्षक ही कर सकता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के मानविकी, फामेर्सी, प्रबंध अध्ययन संकाय, रज्जू भैया शोध संस्थान, इंजीनियरिंग संस्थान समेत कई विभागों में भी शिक्षक दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर कुलसचिव ने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत तथा अनेक अवसरों पर अभिभावक की भूमिका भी निभाता है। इस अवसर पर प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ पुनीत धवन, गुलाब मौर्य, जितेंद्र पांडेय, राधेश्याम सिंह, शीलनिधि सिंह, उत्कर्ष सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दुद्धी में सीसी सड़क निर्माण में अनियमितता के आरोप, सभासद ने रुकवाया काम

सुशील कुमार तिवारी

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)।

नगर पंचायत दुद्धी के वार्ड नंबर 8 व 11 में निमार्णाधीन सीसी सड़क की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। लाडे खां के घर से मुनीजी के घर तक बनने वाली सड़क का नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन ने भूमि पूजन कर कार्य शुरू कराया था। निर्माण शुरू होते ही मनोनीत सभासद सुमित सोनी ने मौके पर पहुंचकर काम रुकवा दिया।

आरोप है कि सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी करते हुए बिना पत्थर की सोलिंग के ही ढलाई की जा रही थी। वहीं मोटे बालू की जगह बारीक बालू और कथित तौर पर निम्न गुणवत्ता की सीमेंट के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया गया है।

सभासद सुमित सोनी व वेद प्रकाश अग्रहरि ने कहा कि जनता के पैसे से होने वाले निर्माण में गुणवत्ता से समझौता नहीं होने दिया जाएगा। मानकों के अनुरूप सामग्री का इस्तेमाल होने तक निर्माण कार्य बंद रहेगा।

बताया गया कि सड़क का निर्माण डूडा द्वारा कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों और जूनियर इंजीनियर की कार्यस्थल पर निगरानी नहीं होने पर भी सवाल उठाए हैं। लोगों ने जिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

शिक्षक दिवस पर 75 शिक्षक सम्मानित, बीएसए ने शिक्षकों को किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सभागार में गोरखपुर से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा और सुना गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर द्वारा जनपद के 75 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं एक-एक पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने कहा कि शिक्षक का बच्चों के प्रति विशेष लगाव और आत्मीयता होना बेहद आवश्यक है। जब शिक्षक बच्चों के साथ अपनापन रखते हैं तो बच्चे उनसे बेहतर ढंग से सीखते हैं। बच्चों से घुल-मिल जाने पर वे अपने मन की बातें भी शिक्षक के साथ साझा करते हैं, जिससे उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा देने का कार्य नहीं करते, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को बच्चों के साथ संवेदनशील एवं आत्मीय व्यवहार करना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन नूपुर श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर नगर खंड शिक्षा अधिकारी रविशंकर यादव, समस्त डीसी, समस्त एसआरजी तथा पूर्व एआरपी महेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने का संकल्प लिया।

बिजली के खंभे से लटका मिला 28 वर्षीया विवाहिता का शव, गांव में मचा सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के बंदीपुर गांव में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब 28 वर्षीय विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बिजली के खंभे से लटका मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और गांव में सनसनी फैल गई।

सूचना मिलते ही जलालपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के कारणों का पता लगाया जा सके।

विवाहिता की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह सामने आने की उम्मीद है।

बाल विवाह मुक्त बचपन के संकल्प को जमीन पर उतारना चुनौतीः संतोष पाण्डेय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बाल विवाह के खिलाफ अभियान चला रही आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था ने शिक्षक दिवस के अवसर पर सुखमय डिग्री कॉलेज एवं कृषक इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र द्वारा 27 नवंबर को ह्यबाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह की समाप्ति के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवसह्व घोषित किए जाने का स्वागत किया गया। संस्था के निदेशक संतोष कुमार पाण्डेय ने कहा कि भारत से उठी आवाज आज पूरी दुनिया का संकल्प बन गई है। संयुक्त राष्ट्र की घोषणा गौरव का विषय है, लेकिन अब बाल विवाह मुक्त बचपन के संकल्प को जमीन पर उतारना बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि जब तक किसी गांव में एक भी बच्चा बाल विवाह के डर में जी रहा है, तब तक लड़ाई अधूरी है। उन्होंने बताया कि जौनपुर में संस्था ने सरकार एवं प्रशासन के सहयोग से कानूनी हस्तक्षेप के माध्यम से 135 बाल विवाह रुकवाए हैं। वहीं जेआरसी के सहयोगी संगठनों द्वारा देशभर में 5.50 लाख से अधिक बाल विवाह रुकवाने का दावा किया गया।

कार्यक्रम में बाल विवाह की रोकथाम एवं बाल अधिकारों को लेकर किशोरियों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्रोग्राम मैनेजर खुशी, वंदना, दीप नारायण समेत 300 से अधिक किशोरी बालिकाएं मौजूद रहीं।

अमित शाह यूथ ब्रिगेड ने अभिषेक यादव को बनाया महानगर उपाध्यक्ष

प्रयागराज में मिली नई जिम्मेदारी, समर्थकों ने दी बधाई

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अमित शाह यूथ ब्रिगेड की ओर से केराकत क्षेत्र के परमानंदपुर गांव निवासी अभिषेक यादव उर्फ गुड्डू को संगठन का महानगर उपाध्यक्ष, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) मनोनीत किया गया है। संगठन की ओर से चार सितंबर 2026 को जारी मनोनयन पत्र के माध्यम से उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई।

मनोनयन पत्र में संगठन ने विश्वास जताया है कि अभिषेक यादव कर्मयोगी के रूप में संगठन के उद्देश्यों, नीतियों एवं सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सेवा और जागरूकता का संदेश पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही अपनी कार्य गतिविधियों की जानकारी संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व को देते रहेंगे।

अभिषेक यादव को महानगर उपाध्यक्ष बनाए जाने की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के लोगों, शुभचिंतकों और समर्थकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। लोगों ने उम्मीद जताई कि वह नई जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत बनाने में योगदान देंगे।

सोनभद्र में स्थायी न्यायालय भवन का निर्माण जल्द शुरू कराने की मांग

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की बैठक अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जनपद में स्थायी जनपद एवं सत्र न्यायालय भवन का निर्माण कार्य अविलंब शुरू कराने की मांग उठाई गई। पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह ने कहा कि जनपद गठन के करीब तीन दशक बाद भी स्थायी न्यायालय भवन का निर्माण न होना अधिवक्ताओं और वादकारियों के लिए गंभीर समस्या है। पूर्व उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने बताया कि पंचमुखी पहाड़ी, रॉबर्ट्सगंज में न्यायालय भवन के लिए भूमि स्वीकृत हो चुकी है, इसके बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ।

महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव ने कहा कि न्यायहित और जनहित को देखते हुए सक्षम अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कर निर्धारित समयसीमा में पूरा कराना चाहिए। बैठक में प्रदीप कुमार मौर्य, राजेश कुमार यादव, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, विमल प्रसाद सिंह, सुरेश सिंह कुशवाहा, द्वारिका नाथ नागर, आशुतोष देव पांडेय, सुदेश कुमार, राम गुल्ली यादव, रमन कुमार, चतुर्भुज शर्मा, शैलेंद्र कुमार सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

छत के रास्ते घर में घुसकर लाखों के आभूषण और नकदी चोरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के मनवल गांव में अज्ञात चोरों ने छत के रास्ते घर में घुसकर नकदी सहित लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार गांव निवासी रेनू पत्नी रवि कुमार के घर को चोरों ने बीती रात निशाना बनाया। चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हुए और नकदी व लाखों रुपये कीमत के आभूषण लेकर फरार हो गए। सुबह परिवार के लोग जागे तो घर का दरवाजा खुला मिला। अंदर जाकर देखा तो सामान रखने वाला बक्सा गायब था। घटना की जानकारी होते ही परिवार में हड़कंप मच गया। शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की। तलाश के दौरान चोरी किया गया बक्सा घर के पास एक खेत में पड़ा मिला। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, घटना से ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता और दहशत का माहौल बना हुआ है।

लगातार बन्द किये जा रहे स्कूलों का संकेत है कि भाजपा शिक्षा विरोधी हैः उषा जायसवाल

सपा नेत्री उषा जायसवाल ने अलग अन्दाज में मनाया शिक्षक दिवस

बन्द पड़े प्राथमिक विद्यालय रसूलाबाद के समक्ष किया अनोखा प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा.सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जन्म जयंती पर समाजवादी पार्टी द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इसी क्रम में समाजवादी महिला सभा की प्रदेश सचिव उषा जायसवाल की अगुवाई में उत्तर प्रदेश सरकार की स्कूल बन्द करो नीति का विरोध करते हुये रसूलाबाद प्राथमिक विद्यालय जो बन्द पड़ा है, के बाहर प्रदर्शन किया गया। साथ ही शिक्षक दिवस पर भाजपा सरकार की स्कूलों को बन्द करने तथा शिक्षा विरोधी नीतियों का विरोध करते हुये शिक्षक दिवस मनाया गया।

इस मौके पर समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनवारूल हक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा है कि उत्तर प्रदेश का नौजवान शिक्षा से वंचित रह जाय, क्योंकि शिक्षा सवाल करती है, इसलिये सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिये आने वाली पीढ़ी को शिक्षा से वंचित करना चाहती है।

इसी क्रम में बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव रंजीत सोनकर ने कहा कि मौजूदा योगी सरकार शिक्षा विरोधी है। संघ का प्रमुख उद्देश्य है कि पिछड़ों और दलितों को शिक्षा से वंचित किया। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा शिक्षा विरोधी होने का संकेत देती है, इसीलिये तो प्रदेश सरकार स्कूलों को लगातार बन्द कर रही है।

उसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय रसूलाबाद बन्द किया गया है जिसका हम पुरजोर विरोध करते हैं। आज के दिन हम भी प्रण लेते हैं कि आने वाली पीढ़ी को शिक्षा से वंचित होने नहीं दिया जायेगा। 2027 में सपा सरकार सभी बन्द पड़े स्कूलों को खुलवायेगी।

इस अवसर पर समाजवादी महिला सभा की सदर विधानसभा अध्यक्ष सुशीला यादव, युवा नेता मुकेश यादव, अंसार अहमद, राजा नवाब, फिरोज, पप्पू, आजाद रावत, नितेश अग्रहरि सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण-राधा के भेष में बच्चों ने मोहा मन

जन्माष्टमी पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में हुआ आयोजन

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विकास नगर स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने श्रीकृष्ण, राधा, लक्ष्मी और नारायण के मनमोहक रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया।

मुख्य संचालिका बीके सुमन दीदी ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल एक तिथि का स्मरण नहीं, बल्कि आंतरिक पांच विकारों और अज्ञानता की जंजीरों से स्वतंत्र होने का पर्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग के अभ्यास से सकारात्मक मनोवृत्ति का निर्माण किया जा सकता है। बीके दीपशिखा बहन ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डाला। वहीं कु. साक्षी और कु. प्रियंसी ने नृत्य के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया।

बच्चों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक नृत्य-नाटिकाओं ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। विभिन्न प्रस्तुतियों में नायरा, रिया, मोना, ज्योति, निक्की, कविता, जिया, आरती, ओम, देव, दीप, वैभव, हर्षित और पूनम सहित अन्य बच्चों ने प्रतिभाग किया। रिद्धि ने लक्ष्मी तथा प्रीति ने नारायण का रूप धारण किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में बीके सीता, बीके सरोज, बीके कविता, बीके दीपशिखा, डॉ. अनुपमा सिंह, बीके हरेंद्र भाई, डॉ. संजय सिंह, अवधेश भाई, राजीव भाई, बृजकिशोर भाई, रामप्रवेश भाई सहित अन्य लोगों का विशेष योगदान रहा।

नवाब हुसैन गर्ल्स इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस की धूम

छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से शिक्षकों का किया सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नवाब हुसैन गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज, कलापुर में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। छात्राओं ने गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्रबंधक डॉ. आबिद खान एवं प्रधानाचार्या निकहत परवीन ने किया। इस अवसर पर महान शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया गया।

प्रबंधक डॉ. आबिद खान ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। प्रधानाचार्या निकहत परवीन ने छात्राओं को शिक्षकों का सम्मान करने और उनके मार्गदर्शन से अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

छात्राओं की ओर से प्रस्तुत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने भी छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सुशील कुमार अस्थाना, फिरदौस फातमा, बबीता, अरीबा शेख, उजमा सिद्दीकी, फायजा सिद्दीकी, सविता, ऋषु सिंह, पूजा प्रजापति, राजाराम, सुमित अस्थाना, शिखर कुमार, अब्दुल रहमान, रोशनी, डिम्पल तथा मीडिया प्रभारी डॉ. इम्तियाज अहमद सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

शहीद भगत सिंह की प्रतिमा का भव्य अनावरण, आमरण अनशन के बाद पूरी हुई मांग

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायबीरू चौराहे पर मोटर दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुई शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा को शुक्रवार को विधि-विधान से पूजन के बाद पुनः स्थापित कर भव्य अनावरण किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति कृष्णा जायसवाल, उपजिलाधिकारी अखिलेश कुमार सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कुमार पांडेय की मौजूदगी में अनावरण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

प्रतिमा के पुनःस्थापन की मांग को लेकर अधिवक्ता अनिल सोनकर गांगुली, बाबा रामजन्म नागर एवं फौजी सुभाष यादव ने 10 अगस्त को आमरण अनशन शुरू किया था। प्रशासन से वार्ता के बाद 15 दिन में प्रतिमा स्थापित कराने के आश्वासन पर अनशन समाप्त हुआ था। शुक्रवार को अनशनकारियों ने प्रशासनिक अधिकारियों एवं नगर पंचायत अध्यक्ष की मौजूदगी में प्रतिमा का पुनःस्थापन कराया। प्रतिमा स्थापित होने पर क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल रहा। लोगों ने इसे जनसंघर्ष और एकजुटता की जीत बताते हुए भगत सिंह के त्याग, साहस और देशभक्ति को नमन किया। शहीद भगत सिंह अमर रहें। इंकलाब जिंदाबाद।

मछलीशहर के ऐतिहासिक तीन दिवसीय जलसा-जुलूस का समापन, जलसा-ए-सीरतुन्नबी में गूंजे नात-ए-रसूल

अंजुमन इस्लामिया ने हासिल किया प्रथम स्थान, कुरैशिया दूसरे और अलविया तीसरे पायदान पर रही

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर का सदियों पुराना ऐतिहासिक जलसा एवं जुलूस कार्यक्रम परंपरागत तरीके से तीन दिनों तक आयोजित होने के बाद संपन्न हुआ। तीन रोजा कार्यक्रम के पहले दिन कौमी एकजहती कार्यक्रम, दूसरे दिन जुलूस एवं जलसा तथा तीसरे और अंतिम दिन जलसा-ए-सीरतुन्नबी का आयोजन किया गया।

अंतिम दिन सीरत कमेटी की ओर से जामा मस्जिद के मैदान में भव्य जलसा-ए-सीरतुन्नबी का आयोजन हुआ। इसमें कस्बे की विभिन्न अंजुमनों ने नात-ए-रसूल के कलाम पेश किए। कार्यक्रम पूरी रात चला और बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की।

कार्यक्रम के समापन पर बेहतर प्रदर्शन करने वाली अंजुमनों को ईनाम, नकद राशि एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

मछलीशहर के ऐतिहासिक जलसा-जुलूस के आयोजन में मुंबई पर्स एसोसिएशन का लंबे समय से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस बार मुंबई पर्स एसोसिएशन के साथ लखनऊ पर्स एसोसिएशन और ऑटो बैट्री एजेंसी, मछलीशहर की ओर से भी अंजुमनों एवं सजावट कमेटी को पुरस्कार प्रदान किए गए।

जलसा-ए-सीरतुन्नबी में इन अंजुमनों ने हासिल किया स्थान

- प्रथम – अंजुमन इस्लामिया
- द्वितीय – अंजुमन कुरैशिया
- तृतीय – अंजुमन अलविया

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम ने सदियों

पुरानी रिवायत को आगे बढ़ाते हुए कौमी एकजहती, भाईचारे और आपसी सद्भाव का संदेश दिया।

अमर शहीद रामचंद्र विद्यार्थी विद्यालय का शिलान्यास समारोह 15 नवंबर को

सतना, मध्यप्रदेश (उत्तरशक्ति)। संतराम बी.ए. एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी, सतना के तत्वावधान में अमर शहीद रामचंद्र विद्यार्थी शिक्षण संस्थान का शिलान्यास समारोह 15 नवंबर 2026, रविवार को दोपहर 1 बजे सतना में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अजय प्रजापति ने बताया कि यह समारोह शिक्षा, समाजसेवा और अमर शहीद रामचंद्र विद्यार्थी की स्मृतियों को समर्पित होगा। समारोह की अध्यक्षता बुद्ध विहार कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष चंद्र प्रकाश प्रजापति तथा डॉ. गीतम सिंह प्रजापति करेंगे। राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के अध्यक्ष एवं बहुजन समाज पार्टी के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी दारा सिंह प्रजापति, मेरठ, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के संयोजक वेदप्रकाश प्रजापति, लखनऊ तथा सह-संयोजक डॉ. के.के. वर्मा हैं! कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी राममुनि महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। अमर शहीद रामचंद्र विद्यार्थी की स्मृति में बहन पिंकी प्रजा एवं अरविंद द्वारा विशेष काव्य पाठ प्रस्तुत किया जाएगा। आजमगढ़ के सत्यम प्रजापति विशेष उद्बोधन देंगे। कार्यक्रम का संचालन कल्याण-मुंबई निवासी अजय प्रजापति करेंगे, जो संतराम बी.ए. एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी के उपाध्यक्ष हैं। संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र बाबू प्रजापति, नासिक, कार्यक्रम में सहयोग एवं समन्वय की भूमिका निभाएंगे। संस्थान के निर्माण की प्रथम कड़ी के रूप में भूमि पूजन एवं प्रथम ईंट स्थापना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें देश

के विभिन्न क्षेत्रों से समाज के अनेक गणमान्य नागरिक और सहयोगी सहभागी होंगे। प्रमुख रूप से प्रभुलाल प्रजापति, बालोतरा, डॉ. शिव कुमार गोला, आगरा, पिंकी अरविंद बहन, इंजीनियर देवनाथ प्रजापति, रीवा, गुलाब चंद प्रजापति, मुंबई-आजमगढ़, महेश प्रजापति, शिक्षक, रीवा, मनमोहन प्रजापति, सेमरिया सहित अनेक सहयोगी उपस्थित रहेंगे। समारोह में सतना सांसद, सतना विधायक, चित्रकूट विधायक, चित्रकूट के पूर्व विधायक तथा विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति प्रस्तावित है। रीवा से विंध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पंचूलाल प्रजापति सहित अनेक विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में शामिल होंगे। देश के विभिन्न राज्यों से सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक और साहित्यिक क्षेत्रों से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित लोग भी समारोह में सहभागिता करेंगे। छत्तीसगढ़ से बसंत चक्रधारी, पूर्व अध्यक्ष, माटीकला बोर्ड; राहुल राय, उत्तर प्रदेश महिला आयोग की बहन अंजू प्रजापति, फरीदाबाद से मंगल सेन प्रजापति, गुजरात के लाडलू-सूरत से संतोष कुमार प्रजापति, रोहतक से लेखक डॉ. कवल किशोर, आंध्र प्रदेश से शंकर पंडित, डिंडौरी से भजन लाल प्रजापति; मंडला से नंद किशोर प्रजापति, भोपाल से भगवती प्रसाद प्रजापति, जबलपुर से आर.डी. प्रजापति, ग्वालियर से ख्यालेंद्र प्रजापति, मुरैना से जसरथ प्रजापति तथा शिवपुरी से हरज्ञान प्रजापति सहित अनेक लोग उपस्थित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आगरा-आंवलखेड़ा से डॉ. धर्मवीर प्रजापति, राजस्थान से बहन पूनम भारतीय, सिवनी से बेटी महिमा प्रजापति, कर्बी-बांदा से बहन मायादेवी प्रजापति, बांदा से सुल्तान भाई तथा नवयुवक टीम सहित अनेक सहयोगी समारोह में भाग लेंगे।संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का विस्तार देशव्यापी है, इसलिए सभी सहयोगियों के नाम विज्ञप्ति में शामिल कर पाना संभव नहीं है। उन्होंने देशभर से जुड़े सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस आयोजन में संतराम बी.ए. एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी, सतना, जिला प्रजापति समाज, सतना, शिव शक्ति धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट, भिंड, सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट, मुंबई, मां मीरा देवी फाउंडेशन ट्रस्ट, आंवलखेड़ा, श्री यादें मां प्रजापति फाउंडेशन, आगरा, प्रजापति हितकारिणी महासभा, ग्वालियर, दक्ष फाउंडेशन ट्रस्ट, शिवपुरी तथा देशभर से जुड़ी अन्य सहयोगी संस्थाओं का सहयोग रहेगा। संस्था के सचिव ने कहा कि यह केवल एक भवन का शिलान्यास नहीं, बल्कि शिक्षा, संस्कार, सेवा और समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का संकल्प है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से समारोह में उपस्थित होकर अमर शहीद रामचंद्र विद्यार्थी की स्मृति को शिक्षा के माध्यम से चिरस्थायी बनाने के इस अभियान में सहयोग देने की अपील की।

बाबु राजनारायण सिंह की स्मृति में निर्धास्त मंडल को ट्रॉफी भेंट

मुंबई। दहीहंडी के पावन पर्व पर मुंबई और महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में गोविंदा पथकों के लिए भव्य दहीहंडी का आयोजन किया गया। उत्साह और उमंग से सराबोर गोविंदा पथकों ने कई थर लगाकर मटकी फोड़ने का प्रयास किया और अपनी कला एवं साहस का प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में विक्रोली पार्कसाइट स्थित निर्धास्त मंडल के गोविंदा पथक का विशेष रूप से स्वागत किया गया। श्री रामलीला उत्सव समिति के संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय राजनारायण सिंह, तथा स्वर्गीय सुरेश सिंह एवं स्वर्गीय रमेश सिंह ऱ्पप्पूङ की स्मृति में सिंह परिवार की ओर से गोविंदा पथक को ट्रॉफी भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संजय कदम, अजय कदम,राजेश चव्हाण,सुनील शिंदे,प्रवीण आंबेकर, युवराज पोलकर, गौरव दलवी,नयन गवाकर और सिंह परिवार के सुनील सिंह, अनिल सिंह, रवि सिंह, शनि सिंह, शुभम सिंह और दिनेश सिंह, पत्रकार आदेश मिश्र, रमेश राजभर ,सनोज पाल, मदन सिंह राजपुरोहित, सहित सिंह परिवार के सदस्यों ने गोविंदा पथक का स्वागत एवं अभिनंदन किया। ट्रॉफी भेंट कर दिवंगतजनों की स्मृति को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने दहीहंडी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

गौ सम्मान हस्ताक्षर अभियान संगोष्ठी संपन्न

मुंबई। गौ सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत गौ वध पर पूर्ण प्रतिबंध हेतु हस्ताक्षर अभियान के निमित्त शुक्रवार 04 सितंबर 2026 को विक्रोली पार्कसाईट के वर्षानगर स्थित श्री नीलकंठेश्वर शंकर मंदिर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गौ सम्मान आह्वान अभियान के नंद बाबा वृंदावन से आए हुए परम पूज्य संत श्री प्रकाश नारायण जी ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की और उपस्थित गौ भक्तों का मार्गदर्शन किया। मुंबई के प्रत्येक वार्ड से 2100 हस्ताक्षर और 1 दिसंबर को आजाद मैदान में 50 लोगों की संख्या ले जाने का प्रयास हम सभी को करना है। इस संगोष्ठी में श्री नीलकंठेश्वर मंदिर के पुजारी कृष्णकांत त्रिपाठी, आर. टी उपाध्याय, नीरज उपाध्याय, मनिकेश तिवारी, श्यामनारायण शर्मा, राजेश्वर चौहान, दीपक गुप्ता,नीलम पांडे, देवीदीन पांडे, सुनील दुबे सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति भी उपस्थित थी । संदीप त्रिपाठी ने संगोष्ठी का आयोजन किया वा उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी के उपरांत महाराज श्री प्रकाश नारायण जी ने मनिकेश तिवारी के ॐ शिव को.आप.क्रे.सो. के कार्यालय पर सदिच्छा भेंट दी ।

इंदौर में जन्मोत्सव के 11 अनूठे रंग के साथ मना कृष्ण जन्माष्टमी

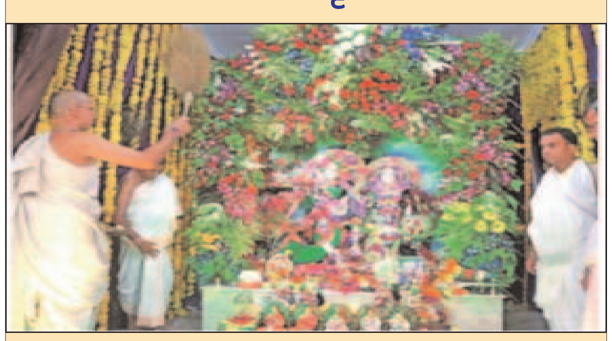

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। यशोदा माता मंदिर (खजूरी बाजार)ः कृष्ण 'लल्ला' बने। जन्म के साथ पालना झूला, बधाइयां गूंजीं और वात्सल्य भाव से बालकृष्ण की सेवा हुई। गोपाल मंदिर (राजबाड़ा)ः राधा-कृष्ण का अभिषेक, श्रृंगार, भोग और आरती के साथ ठाकुरजी की सेवा का भाव प्रमुख रहा। बांके बिहारी मंदिर ः तीन कृष्ण विग्रहों की आराधना के साथ महानुभाव परंपरा का अलग रंग दिखाई दिया। राधा-कृष्ण मंदिर (आड़ा बाजार) ः पंचामृत व तीर्थजल से अभिषेक, विशेष पोशाक और श्रृंगार ने जन्मोत्सव को श्रृंगार-भाव दिया।लाल मंदिर (जूनी इंदौर) ः ठाकुरजी को विशेष चांदी के वस्त्र पहनाए गए। यहां जन्मोत्सव का रंग उत्सव और सेवा का रहा। मदनमोहनजी की हवेलीः ठाकुरजी को घर के सदस्य की तरह माना गया। श्रृंगार, भोग, बधाई और सेवा में गृहस्थ भाव नजर आया। गोवर्धननाथ मंदिर (कम्पैल)ः कृष्ण का दुर्लभ दस भुजाओं वाला गोवर्धनधारी स्वरूप आकर्षण का केंद्र रहा। अभिषेक, श्रृंगार, भोग के साथ राधेश्याम संकीर्तन चलता रहा।

राधाकृष्ण प्रणामी मंदिर (गोराकुंड)ः कृष्ण को ग्रंथ-स्वरूप में स्मरण करते हुए श्री तारतम सागर की सेवा और पाठ हुआ।इस बार जन्माष्टमी का खास संयोग यह रहा कि वैष्णव, स्मार्त, पुष्टिमार्ग, गौड़ीय वैष्णव (इस्कॉन), प्रणामी-निजानंद, राधावल्लभ, रामानुज और महानुभाव परंपरा सहित कृष्ण भक्ति की सभी प्रमुख परंपराओं ने शुक्रवार को ही जन्मोत्सव मनाया।

अलग-अलग पंचांग और संप्रदाय परंपराओं के कारण आमतौर पर जन्माष्टमी दो अलग-अलग दिन मनाई जाती रही है, लेकिन इस बार लंबे अंतराल के बाद जन्म की तारीख एक रही। द्वापर की कृष्ण जन्मकथा वाले योगों की रही छाया कृष्ण जन्म की परंपरा में अष्टमी तिथि, वृषभ राशि का चंद्रमा और रोहिणी नक्षत्र प्रमुख माने जाते हैं। इस बार भी अष्टमी की रात चंद्रमा वृषभ में रहा। रोहिणी नक्षत्र रात 11ः04 बजे समाप्त हो गया, जबकि अष्टमी 12ः13 बजे तक रही। इसलिए जन्म की निशिथ बेला में अष्टमी और वृषभ का चंद्रमा तो रहा, लेकिन रोहिणी की जगह मृगशिरा नक्षत्र आ चुका था।

लायंस क्लब क्षितिज ने किया शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर क्षितिज द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर 2026 को लायंस क्लब जौनपुर क्षितिज द्वारा कंपोजिट विद्यालय हैदरपुर करंजाकला में एक गरिमामय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शशांक सिंह 'रानू' व विशिष्ट अतिथि राधे कृष्ण ओझा प्रधानाध्यापक व लायन अजीत सोनकर कार्यक्रम अध्यक्ष लायन कौशल त्रिपाठी रहे। समारोह का उद्देश्य विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों के योगदान को सम्मानित करना और उन्हें प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर लायंस क्लब क्षितिज के पदाधिकारियों ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक राधे कृष्ण ओझा समेत अन्य शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित शिक्षकों में कामिनी सिंह, मंजू सिंह, रेखा यादव, संध्या गुप्ता, आशुतोष गौर एवं रामानंद यादव शामिल रहे।

समारोह में विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहे। मुख्य अतिथि शशांक सिंह 'रानू' ने डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन जी के जन्मदिवस के दिन शिक्षक दिवस क्यो मनाया जाता व उनके जीवन परिचय पर प्रकाश डाला कार्यक्रम के दौरान लायंस क्लब क्षितिज के सचिव लायन हाफिज शाह ,लायन लायन डॉ.चंदन गुप्ता, सोनू कादरी, अन्य सदस्यों ने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और बेहतर बनाने हेतु विभिन्न सहयोगात्मक पहलों की घोषणा भी की। समारोह का संचालन टखऋअतुल सिंह (पूर्व अध्यक्ष) ने किया सचिव लायन हफीज शाह ने सभी आये हुए अथितियों का आभार व्यक्त किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

तीन वर्षों से तैयार बीएमसी अस्पताल, फिर भी शुरू होने का इंतजार

मुंबई, चांदिवली। म्हाडा कॉलोनी, चांदिवली में पिछले करीब तीन वर्षों से बीएमसी अस्पताल बनकर तैयार है, लेकिन अब तक इसे आम जनता के लिए शुरू नहीं किया गया है। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस अस्पताल का लाभ चांदिवली एवं आसपास के नागरिकों को कब मिलेगा, इसे लेकर स्थानीय लोगों में सवाल उठने लगे हैं। अस्पताल को जल्द शुरू कराने की मांग को लेकर समाजसेवक सुखबिंदर सिंह द्वारा लगातार संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को पत्र सौंपे जा रहे हैं। इसी क्रम में 29 अगस्त 2026 को वार्ड क्रमांक 158 की नगरसेविका चित्रा सोमनाथ सांगले को पत्र देकर अस्पताल शीघ्र शुरू करने की मांग की गई।

इसके बाद 31 अगस्त 2026 को बीएमसी 'एल' विभाग के सहायक आयुक्त अनिल जाधव, वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी डॉ. सतीश बडगिरे तथा प्रभाग समिति अध्यक्ष विजयेंद्र (विजू) शिंदे को भी पत्र सौंपकर अस्पताल तत्काल शुरू करने और आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। वहीं, 3 सितंबर 2026 को मुंबई की महापौर रितु ताई तावडे को भी पत्र देकर चांदिवली बीएमसी अस्पताल को जल्द से जल्द आम जनता के लिए शुरू कराने की मांग की गई। समाजसेवक सुखबिंदर सिंह एवं सुखबीर सिंह ने कहा कि जनता के पैसों से तैयार किया गया अस्पताल यदि वर्षों तक बंद रहता है, तो यह गंभीर जनहित का विषय है। चांदिवली और आसपास के नागरिकों को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल को बिना किसी और देरी के तत्काल शुरू किया जाना चाहिए।

जनता का सीधा सवाल

जब अस्पताल बनकर तैयार है, तो इसे आम जनता के लिए शुरू करने में इतनी देरी क्यों हो रही है? नागरिकों का कहना है कि उन्हें अब आश्वासन नहीं, बल्कि अस्पताल की वास्तविक शुरूआत चाहिए। चांदिवली की जनता की मांग है–अस्पताल जल्द शुरू हो और क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिले।

पंडित श्रीराम तिवारी का छियाह प्रथम श्राद्ध 7 को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर विकास खण्ड सुजानगंज, पोस्ट न्योराह , ग्राम सरायखानी निवासी पंडित श्रीराम तिवारी व संत राजकुमार तिवारी (दुःखी) छियाह श्राद्ध व (प्रथम पुण्यतिथि) दिनांक 7 सितंबर 2026 दिन सोमवार को मनाया जाएगा । दिनांक 6 सितंबर 2026 दिन रविवार को शाम,6 बजे हरिनाम संकीर्तन होगा और दिनांक 7 को छियाह श्राद्ध किया जाएगा तथा ब्रह्मभोज का आयोजन किया गया है। यह आयोजन परिवार के बड़े पुत्र कथावाचक पंडित आचार्य ओमप्रकाश तिवारी, पुत्र जयप्रकाश तिवारी, सुर्यप्रकाश तिवारी, मनिष तिवारी , सौरभ तिवारी, शिवम्, चक्रधर तिवारी, श्रीनाथ तिवारी द्वारा किया जा रहा है। सभी सगा-संबंधी तथा शुभचिंतकों सेअनुरोध किया गया है कि आप सभी लोग पधारकर दिवंगत आत्मा भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करें।

छत्रपति शिवाजी विद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

मुंबई। महात्मा फुले ट्रस्ट द्वारा संचालित छत्रपति शिवाजी विद्यालय धारावी में शिक्षक दिवस समारोह बड़े उत्साह, उमंग एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। समारोह में विद्यालय के शिक्षकों एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में माध्यमिक अंग्रेजी माध्यम की प्रधानाचार्या श्रीमती स्वाति होलमुखे, विद्यालय के संस्थापक पूर्व विधायकबाबूराव माने, कोषाध्यक्ष प्रमोद माने, सेक्रेटरी दिलीप शिंदे तथा प्राथमिक विभाग की प्रधानाचार्या श्रीमती श्रद्धा माने की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एवं क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले के चित्रों का पूजन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसके पश्चात माध्यमिक

विभाग की प्रधानाचार्या श्रीमती स्वाति होलमुखे ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथिगण का परिचय कराया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया तथा उन्हें पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया।

समारोह में आयोजित गजल मुशायरा विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसके पश्चात प्रमोद माने द्वारा विद्यालय के शिक्षकों को उपहार वितरित किए गए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राथमिक विभाग की प्रधानाचार्या श्रीमती श्रद्धा माने ने आभार व्यक्त किया। इसके बाद सभी ने सामूहिक छायाचित्र खिंचवाए तथा साथ मिलकर भोजन का आनंद लिया। यह शिक्षक दिवस समारोह शिक्षकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और उनके समर्पण को नमन करने का एक यादगार अवसर रहा।

सुपरस्टार जोगी भजन गायक संतोष यादव मधुर ने गुजरात में बांधा समां

गांधीधाम। कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर अखिल कच्छ यादववंशी विकास ट्रस्ट, गांधीधाम के तत्वावधान में भव्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश से पधारे प्रसिद्ध जोगी भजन सुपरस्टार गायक संतोष यादव, मधुर स्वर की गायिका खुशबू यादव तथा अनुराग गौतम सहित म्यूजिशियन टीम ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

भजन एवं लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों पर कार्यक्रम स्थल भक्तिमय वातावरण के साथ उत्साह और उमंग से झूम उठा। कलाकारों ने अपनी गायकी और संगीत के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण

की भक्ति का ऐसा रंग जमाया कि गांधीधाम की धरती पर देर तक तालियों और जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। इस अवसर पर प्रमुख श्रीराम यादव ने सभी कलाकारों का सम्मान कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन समाज को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

कॉमिक कॉन इंडिया नवी मुंबई में भी शुरू हो रहा है, 28 और 29 नवंबर को

नवी मुंबई। भारत का सबसे बड़ा पॉप-कल्चर फेस्टिवल कॉमिक कॉन इंडिया अब एक नए शहर में पहुंचने जा रहा है। कॉमिक कॉन इंडिया ने पहली बार नवी मुंबई में अपने महोत्सव के आयोजन की घोषणा की है। यह कार्यक्रम 28 और 29 नवंबर को नवी मुंबई के सिडको एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। कॉमिक कॉन के इस साल के कार्यक्रमों में नवी मुंबई शामिल होने से मुंबई महानगर क्षेत्र के लोगों को कॉमिक्स, एनीमे, गेमिंग, कॉस्प्ले, पॉप-कल्चर और मनोरंजन से जुड़े कई तरह के अनुभव मिलेंगे।

इससे पहले विशाखापट्टनम (विजाग) को 2026-27 के नए सीजन की शुरूआत करने वाले पहले शहर के रूप में घोषित किया गया था। इसके बाद अब नवी मुंबई की घोषणा की गई है। इससे पता चलता है कि नोडविन गेमिंग देश के उभरते बाजारों और नए दर्शकों तक

कॉमिक कॉन को पहुंचाने की दिशा में काम कर रहा है। नवी मुंबई के जुड़ने से कॉमिक कॉन अब अपने पारंपरिक शहरों से आगे बढ़कर देश के नए शहरों और नए दर्शकों तक पहुंच बना रहा है।

कॉमिक कॉन इंडिया की सीईओ शेफाली जॉन्सन ने कहा, नवी मुंबई तेजी से विकसित हो रहा है। महाराष्ट्र सरकार शहर में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। नई कंपनियां औरनए उद्योग शहर में आ रहे हैं, युवा प्रोफेशनल यहां बस रहे हैं और नई पीढ़ी के लोग शहर की संस्कृति को नया रूप दे रही है। हमने देखा है कि नवी मुंबई के कई फैंस और कॉस्प्ले कलाकार कॉमिक कॉन में शामिल होने के लिए मुंबई आते हैं। इससे पता चलता है कि नवी मुंबई में कॉमिक कॉन को लेकर पहले से ही एक बड़ा और उत्साही फैन बेस मौजूद है। इसलिए कॉमिक कॉन को नवी मुंबई में लाने का मतलब है कि हम सीधे इन फैंस तक पहुंच रहे हैं और उन्हें अपना एक मंच उपलब्ध करा रहे हैं।

नोडविन गेमिंग के को-फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर अक्षत राठी ने कहा, ह्लनवी मुंबई भारत के नए शहरी विकास की तस्वीर पेश करता है। अलग-अलग पृष्ठभूमि और संस्कृतियों के लोग यहां एक साथ आकर नए समुदाय बना रहे हैं और नए अनुभवों व विचारों को अपना रहे हैं। हमने देखा हैं कि नवी मुंबई में कॉस्प्ले और पॉप-कल्चर के समुदाय की संख्या लगातार बढ़ रही है। स्थानीय पहल, कम्युनिटी ग्रुप और क्षेत्रीय कार्यक्रमों के कारण इस समुदाय के संबंध मुंबई महानगर क्षेत्र के दूसरे हिस्सों से भी मजबूत हो रहे हैं। कॉमिक कॉन के नवी मुंबई आने से इस बढ़ते हुए फैन बेस को एक साथ आने का मौका मिलेगा। युवा प्रोफेशनल, छात्र, क्रिएटर्स और पॉप-कल्चर पसंद करने वाले लोग कहानियों, किरदारों और खुद को व्यक्त करने की समान पसंद के कारण एक-दूसरे से जुड़ेंगे। हम यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि नवी मुंबई के लोग अपनी खास ऊर्जा के साथ कॉमिक कॉन को एक नया रंग देंगे। फैंस अपनी रचनात्मकता और विचारों को सामने रखेंगे और इसे नवी मुंबई की अपनी खास पहचान वाली एक यादगार उत्सव बनाएंगे।

जवानों को मिले परिवार का साथ, जिला तबादले का कोटा 20 प्रतिशत करने की मांग

मुंबई। महाराष्ट्र के एसआरपीएफ जवानों की पारिवारिक और मानसिक समस्याओं को देखते हुए जिला तबादले का कोटा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर कम से कम 20 प्रतिशत करने की मांग की गई है। लंबे समय तक परिवार से दूर रहने के कारण जवानों पर पड़ने वाले मानसिक और पारिवारिक तनाव तथा कुछ जवानों द्वारा उठाए जा रहे आत्मघाती कदमों को सरकार गंभीरता से ले, ऐसी मांग धडाकेबाज युवा प्रतिष्ठान के संस्थापक अध्यक्ष अमोल धनराज केंद्रे ने की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार को ज्ञापन सौंपा गया है। वहीं, गृह राज्यमंत्री योगेश कदम से मुलाकात कर उन्हें भी ज्ञापन दिया गया। केंद्रे के अनुसार, सुधीर मुनगंटीवार और योगेश कदम ने इस मामले में जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है। सुधीर मुनगंटीवार ने महाराष्ट्र पुलिस के महासंचालक सदानंद दाते से संपर्क कर इस समस्या पर कार्रवाई करने की मांग की। इस पर सदानंद दाते ने जल्द बैठक आयोजित कर मामले पर चर्चा करने की बात कही है। अमोल केंद्रे ने महाराष्ट्र पुलिस के वर्ष 2025-26 के लंबित डीजी एच लोन प्रकरणों का भी तत्काल निपटारा करने की मांग की है।

जन्माष्टमी पर स्नेहा दुबे पंडित ने किया वसई-विरार का दौरा, दही हांडी उत्सव में लिया हिस्सा

विरार। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने विरार पूर्व के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर दही हांडी उत्सव 2026 में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने गोविंदा टीमों के उत्साह और नागरिकों की उमंग का अनुभव किया तथा आयोजकों एवं नागरिकों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

स्नेहा दुबे पंडित ने चिंचपाड़ा कातकरी पाड़ा, विरार पूर्व में जन परिवर्तन संगठन द्वारा आयोजित दही हांडी उत्सव में हिस्सा लिया। इसके बाद कोपरी गांव में भारतीय जनता पार्टी विरार सिटी ईस्ट उत्तर मंडल द्वारा आयोजित तथा जय भवानी मंडल के सहयोग से आयोजित दही

हांडी समारोह में शामिल हुईं।

उन्होंने जीवदानी मंदिर ग्राउंड में आयोजित दही हांडी उत्सव में भी सहभागिता की, जिसका आयोजन आई जीवदानी एसोसिएशन द्वारा किया गया था। वहीं फूलपाड़ा में आयोजित दही हांडी कार्यक्रम में भक्तिमय वातावरण के बीच गोविंदा टीमों का उत्साह देखने को मिला।

इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी प्रसाद मित्र मंडल द्वारा आयोजित दही हांडी उत्सव में भी स्नेहा दुबे पंडित ने उपस्थित रहकर गोविंदा टीमों का उत्साह बढ़ाया और उनके जोश की सराहना की। इस अवसर पर विभिन्न दही हांडी आयोजक, गोविंदा टीमें, स्थानीय नागरिक, अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जन्माष्टमी के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर देखने को मिली एकता, उत्साह और टीम स्पिरिट ने पूरे क्षेत्र में त्योहार का माहौल और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। अगर चाहें तो मैं इसे उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के लिए और अधिक दमदार अखबारी भाषा में, आकर्षक हेडलाइन और उपशीर्षक के साथ भी तैयार कर सकता हूँ।

मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में नकली एसकेएफ बियरिंग्स जब्त

मुंबई। भारत के प्रमुख बियरिंग्स ब्रांड एसकेएफ ने बाजार में अपने नकली उत्पादों का फैलाव रोकने के लिए पायधुनी पुलिस स्टेशन के सहयोग से मुंबई में सख्त कार्रवाई की है। यह छापेमारी 31 अगस्त 2026 को पायधुनी पुलिस अधिकारियों की मदद से मस्जिद बंदर, पायधुनी, मुंबई में तीन अलग-अलग स्थानों पर की गई। इनमें दो थोक दुकानें और एक ब्रांडिंग यूनिट (कारखाना) शामिल थीं। इस दौरान मस्जिद बंदर, पायधुनी के अलग-अलग ठिकानों से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। कीर्ति रतिलाल शाह, किशोरभाई शांतिलाल शाह और अरबाज रहमतुल्लाह खान। जांच में सामने आया कि थोक दुकानें मुंबई और आसपास के इलाकों में ग्राहकों को नकली बियरिंग्स बेच रही थीं। वहीं, कारखाने का इस्तेमाल बिना ब्रांड वाले बियरिंग्स पर ₹एसकेएफ₹ का नाम छापने के लिए किया जा रहा था। इस कार्रवाई में 780 से ज्यादा नकली बियरिंग्स और 20,000 आउटर बॉक्स पैकेजिंग शीट जब्त की गईं। पुलिस अधिकारियों और एसकेएफ के प्रतिनिधियों की संयुक्त टीम ने नकली माल की पहचान की, और आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

डूबती बस्तियों तक पहुंचा सत्ता का संबल

-सुरेश गांधी

वाराणसी। बाढ़ का पानी भले ही काशी के निचले इलाकों में जिंदगी की रफ्तार रोकने पर आमादा हो, लेकिन शनिवार को सलारपुर के विद्याविहार इंटर कॉलेज में बने राहत शिविर में सरकार का भरोसा लोगों के बीच दिखाई दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले आसमान से बाढ़ का मंजर देखा और फिर जमीन पर उतरकर उन चेहरों के बीच पहुंचे, जिनके लिए इन दिनों घर की चौखट से ज्यादा राहत शिविर ही सहारा बना हुआ है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों से सीधे संवाद कर उन्होंने उनकी तकलीफें सुनीं और कहा—आपदा की इस घड़ी में सरकार आपके साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद सलारपुर पहुंचे और राहत शिविर में

उपलब्ध व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा। उन्होंने पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। शिविर में बच्चों को दुलारते हुए उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा तो माहौल में कुछ पल के लिए बाढ़ की चिंता के बीच अपनापन उतर आया। मुख्यमंत्री ने महिलाओं और बुजुर्गों से भी भोजन, स्वास्थ्य और दूसरी सुविधाओं की जानकारी ली। वैसे भी बाढ़ के पानी में घिरे परिवारों के लिए सरकारी घोषणाएं तभी मायने रखती हैं, जब वे राहत की थैली, दवा, नाव और मुआवजे के रूप में घर की चौखट तक पहुंचें। सलारपुर के शिविर से मुख्यमंत्री ने यही भरोसा देने की कोशिश की कि आपदा सिर्फ पानी की मार नहीं, बल्कि प्रशासन की परीक्षा भी है—और इस परीक्षा में पीड़ित को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वरुणा नदी में बैकफ्लो के कारण निचले इलाकों में जलजमाव की समस्या पैदा होती है। उन्होंने कहा कि पहले बारिश के मौसम में प्रदेश के 40 से 45 जिले प्रभावित होते थे, लेकिन पिछले साढ़े नौ वर्षों में आपदा प्रबंधन और सरकारी प्रयासों से अब स्थिति काफी नियंत्रित हुई है और करीब 14 जिले ही किसी न किसी रूप में प्रभावित हैं। काशी के विकास का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि आज काशी नई काशी के रूप में नया कलेवर संजो रही है। काशी विश्वनाथ धाम, घाटों के विकास, रेलवे व बस स्टेशन, एयरपोर्ट, सड़क चौड़ीकरण और रिंग रोड जैसी परियोजनाओं ने शहर को नई पहचान दी है। राहत शिविरों में उपलब्ध व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित परिवारों को दूध, फल, अनाज, बाल्टी, मग, बिस्किट, नमक, तौलिया, तेल समेत 26 प्रकार की राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन किसानों की फसल बाढ़ में डूबी है, उन्हें नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मकान गिरने, आकाशीय बिजली और सर्पदंश जैसी घटनाओं को भी आपदा की श्रेणी में शामिल किया गया है।

नरेंद्र सोनी ने किया गोविंदा टी-शर्ट का विमोचन

वसई। भारतीय जनता पार्टी के मध्यवर्ती कार्यालय, दीनदयाल नगर, वसई पश्चिम में गोविंदा टीम के लिए तैयार टी-शर्ट का विमोचन किया गया। यह विमोचन उत्तर शक्ति न्यूज रिपोर्टर मुंबई नरेंद्र सोनी ने वसई रोड मंडल उपाध्यक्ष मार्कंड पांडे के साथ किया। इस अवसर पर समाजसेवी अर्जुन ईगोले की ओर से प्रायोजित गोविंदा टी-शर्ट सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और गोविंदा टीम के सदस्यों को वितरित की गई। टी-शर्ट मिलने से कार्यकताओं एवं गोविंदा टीम में उत्साह और खुशी की लहर देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान आगामी दही हांडी उत्सव को लेकर कार्यकताओं में विशेष उत्साह नजर आया।

प्रतिष्ठित यूके ब्रांड नैक्स्ट अपना सिग्नेचर ब्रिटिश फैशन अनुभव मुंबई लाया

मुंबई। यूके के प्रतिष्ठित फैशन ब्रांड, नैक्स्ट ने आज मुंबई के इन्फिनिटी मॉल, मलाड में अपना स्टोर लॉन्च किया। यह मुंबई में ब्रांड का पहला स्टोर है, जिसका उद्घाटन बॉलिवुड अभिनेत्री, गायिका और मॉडल, शिबानी अख्तर ने किया। इससे पहले ब्रांड पुणे, हैदराबाद और बैंगलुरू में अपने स्टोर खोल चुका है। यह नैक्स्ट द्वारा मिंत्रा की बी2बी होलसेल इकाई, मिंत्रा जबोंग इंडिया प्राईवेट लिमिटेड (एमजेआईपीएल) और इसके लाईसेंस्ड फ्रैंचाईजी पार्टनर्स के सहयोग से भारत में विस्तार की दीर्घकालिक योजना की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। इस महत्वपूर्ण सहयोग के अंतर्गत एमजेआईपीएल के पास भारत में नैक्स्ट के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का वितरण करने और देश में ब्रांड की ऑम्नीचैनल पहुँच बढ़ाने का लाईसेंस व अधिकार हैं। नैक्स्ट की स्थापना 1982 में हुई थी। यह दुनिया में अपने आधुनिक ब्रिटिश एस्थेटिक्स, क्वालिटी पर फोकस और किफायती मूल्य के लिए प्रसिद्ध है। ब्रांड के पास यूके में 460 से अधिक स्टोर, 265 इंटरनेशनल फ्रैंचाईजी लोकेशन और 80 से अधिक देशों में ऑनलाईन पहुँच है। नैक्स्ट का यह नया स्टोर मुंबई के प्रीमियम रिटेल स्थान, इन्फिनिटी मॉल, मलाड में स्थित है। यह मुंबई के स्टाईलप्रेमी लोगों को नैक्स्ट का ग्लोबल फैशन उपलब्ध कराएगा। इस स्थान पर नैक्स्ट को मलाड के प्रीमियम ग्राहकों तक पहुँच मिलेगी, जिससे भारत के मुख्य फैशन बाजारों में से एक में इसकी स्थिति मजबूत होगी। यह स्टोर ब्रांड की सिग्नेचर फिलॉसफी के अनुरूप डिजाईन किया गया है। इस स्टोर में ग्लोबल ले-आउट और स्पष्ट रूप से परिभाषित कैटेगरी जोंस के साथ शॉपिंग का इन्ट्यूटिव अनुभव मिलेगा। इस स्टोर में मुंबई के कॉस्मोपॉलिटन ग्राहकों के लिए वीमेंस, किड्स और मेंस वियर में 1,000 से अधिक स्टाईल उपलब्ध होंगे। यहाँ पर ग्राहकों को टी-शर्ट, शर्ट, ड्रेस, शॉर्ट, ट्राउजर्स, डेनिम, को-ऑर्ड सेट आदि का विशाल संग्रह मिलेगा। इसके अलावा, मलाड स्टोर में कुछ इन-स्टोर ओनली स्टाईल भी उपलब्ध होंगे।

वेणु नायर, चीफ ऑफ स्ट्रेट्जिक पार्टनरशिप्स एवं ऑम्नी-चैनल, मिंत्रा ने कहा, मुंबई एक महत्वपूर्ण फैशन बाजार है। इस शहर में नैक्स्ट के पहले स्टोर के लॉन्च से भारत में ब्रांड का लगातार विकास प्रदर्शित होता है। नैक्स्ट एमजेआईपीएल और लाईसेंस्ड फ्रैंचाईजी पार्टनर्स के सहयोग से प्रमुख मेट्रो शहरों में अपनी पहुँच का विस्तार कर रहा है। ब्रांड का उद्देश्य एक शानदार शॉपिंग अनुभव के साथ विश्वप्रसिद्ध ब्रिटिश फैशन को ग्राहकों के करीब लाना है। नैक्स्ट ने भारत में सन 2023 में प्रवेश किया था। यह ब्रांड तभी से लगातार विकास कर रहा है। इससे डिजाईन पर आधारित दैनिक फैशन के प्रति ग्राहकों की गहरी रुचि प्रदर्शित होती है। मुंबई में पहले स्टोर का लॉन्च भारत में ब्रिटिश फैशन को ग्राहकों तक पहुँचाने की दिशा में नैक्स्ट का अगला कदम है।

राज्यों से देशभर में बाइक टैक्सी को मंजूरी देने के लिए रैपिडो ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का जताया आभार

मुंबई/बेंगलुरु। भारत के सबसे बड़े और सबसे किफायती वन-स्टॉप मोबिलिटी प्लेटफॉर्म, रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (रैपिडो) ने आज सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के उस बयान का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने देश भर की राज्य सरकारों से निजी दोपहिया वाहन मालिकों को बाइक टैक्सी चलाने की अनुमति देने का आग्रह किया है। मंत्री ने कहा कि इस कदम से 8 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपने दोपहिया वाहनों के जरिए कमाई करने का मौका मिल सकता है, खासकर अर्ध-शहरी और ग्रामीण भारत में। भारत में, खासकर भीड़-भाड़ वाले शहरी इलाकों और ऐसी जगहों पर जहाँ पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा कम है, बाइक टैक्सी 'लास्ट-माइल' और 'पॉइंट-टू-पॉइंट' आवाजाही के सबसे आसान और सस्ते साधनों में से एक बनकर उभरी हैं। रैपिडो, जिसने देश में बाइक टैक्सी कैटेगरी की शुरूआत की थी, ने हमेशा ऐसे पॉलिसी फ्रेमवर्क का समर्थन किया है, जो अलग-अलग राज्यों में सुरक्षित, रेगुलेटेड और सभी के लिए उपलब्ध टू-व्हीलर मोबिलिटी सर्विस को बढ़ावा देते हैं। इस घटनाक्रम पर रैपिडो के जनरल काउंसिल और कॉर्पोरेट अफेयर्स व पब्लिक पॉलिसी के हेड मनस्वी मान ने कहा कि मंत्री गडकरी का राज्यों से किया गया आग्रह बाइक टैक्सी इकोसिस्टम के लिए एक अहम कदम है। 8 करोड़ से ज्यादा टू-व्हीलर मालिकों के लिए संभावित मौकों का उनका ज़िक्र इस बात को और मजबूत करता है कि बाइक टैक्सी कमाई के लचीले मौके बनाने के साथ-साथ रोजाना की आवाजाही को ज्यादा सस्ता और आसान बनाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइडलाइंस, 2025 ने एक ऐसा ढांचा तैयार किया है जो काम को आसान बनाता है; अगर सभी राज्य इसे एक जैसा अपनाते हैं, तो इससे इस कैटेगरी की क्षमता को बड़े पैमाने पर अनलॉक करने के लिए जरूरी रेगुलेटरी निश्चितता मिल सकती है। रैपिडो एक सुरक्षित, नियमों का पालन करने वाले और समावेशी बाइक टैक्सी इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टाटा.कार्स ने लॉन्च की 'कर्व सीरीज एक्स'

मुंबई। देश की प्रमुख एसयूवी निमार्ता और सबसे बड़ी 4-व?हीलर ईवी निमार्ता टाटा.कार्स ने आज कर्व सीरीज एक्स के लॉन्च की घोषणा की। इससे भारत की पहली एसयूवी कूपे का महत्व और मजबूत हुआ है। कर्व सीरीज एक्स की शुरूआती कीमत

9.99 लाख रुपये है। इसमें एसयूवी कूपे का महत्वाकांक्षी डिजाइन, दिलचस्प परफॉर्मेंस, प्रीमियम फीचर वाला शानदार केबिन और टाटा सेफ्टी डोम की सुरक्षा, सब एक साथ हैं। यह पैकेज उन्हीं खूबियों के इर्द-गिर्द बनाया गया है जिन्हें ग्राहक सबसे ज्यादा अहमियत देते हैं। यह बात प्योर एक्स और क्रिएटिव एक्स पर्सोना में साफ दिखती है। प्योर एक्स की शुरूआती कीमत 10.99 लाख रुपये है। इसमें कर्व के पहचाने जाने वाले एसयूवी कूपे डिजाइन के साथ कई प्रीमियम फीचर मिलते हैं, जैसे हार्मनड्ड का अल्ट्रा व्यू 26.03 सेमी (10.25 इंच) इन्फोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो™ और ऐपल कारप्ले™, क्रूज कंट्रोल, पैसिव एंट्री पैसिव स्टार्ट वाली स्मार्ट की, 6 स्पीकर, पूरी तरह ऑटोमैटिक तापमान नियंत्रण, एलईडी हेडलैंप तथा टेललैंप और सेफ्टी डोम। जो ग्राहक और ज्यादा आराम चाहते हैं, उनके लिए प्योर एक्स+ में 80,000 रुपये अतिरिक्त देकर बेहतर साज-सज्जा और R17 डायमंड कट अलॉय व्हील मिलते हैं। वहीं #DARK एडिशन प्योर पसोर्ना से ही 11.99 लाख रुपये में उपलब्ध है।

बिरला स्टेट ने धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस

मुंबई। देश की नामचीन कंपनी बिरला स्टेट वरली शाखा के पदाधिकारियों ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर अपने सहायक कर्मचारियों एवं मजदूरों के साथ शुक्रवार 4 सितंबर 2026 को धूमधाम से शिक्षक दिवस मनाया। मुख्य अतिथि के रूप में बिरला स्टेट वरली प्रमुख राहुल मेश्राम एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप उपस्थित थे। मंच का खूबसूरत संचालन बिरला स्टेट प्रमुख सेफ्टी हरिश खान ने किया।कवि विनय शर्मा दीप ने शिक्षक दिवस पर गुरु के सम्मान में गीत प्रस्तुत किए तथा शिक्षक दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश के दूसरे राष्ट्रपति,महान दार्शनिक एवं शिक्षक डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ उनके जन्मदिन पर विद्यालय के बच्चों ने जन्मदिन मनाने का प्राविधान किया तो डॉ राधाकृष्णन ने कहा मेरा जन्मदिन न मनाकर आप सभी उक्त दिन को शिक्षक दिवस के रुप में मनाएं। डॉ राधाकृष्णन के वचनानुसार प्रतिवर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। मुख्य अतिथि राहुल मेश्राम ने शिक्षक दिवस को परिभाषित करते हुए कहा शिक्षक अर्थात गुरु सभी कार्य क्षेत्र में विद्यमान रहते हैं चाहे वह विद्यालय हो या औद्योगिक क्षेत्र,बांध काम क्षेत्र,व्यापार क्षेत्र सभी स्थानों पर सिनियर अपने जूनियर को कुछ न कुछ सिखाता रहता है जिसका अनुकरण करना चाहिए। उक्त समारोह में बिरला स्टेट से गिब्रान शेख,मि. जोसेफ, विजय राजाराम मोरे,मि. अभिषेक,टर्नर रहमान, टर्नर रोहित, टर्नर राजेश ठाकुर, लाइटन से किरण, कमल शर्मा, अभिजीत राठौड़ और बिरला नियारा प्रोजेक्ट के सभी सुरक्षा कर्मी उपस्थित थे।

वरली कोलीवाड़ा क्षेत्र की स्वच्छता के लिए सुमीत फैसिलिटीज की दो दिवसीय

मुंबई। मुंबई के सार्वजनिक क्षेत्रों को अधिक स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से सुमीत फैसिलिटीज की ओर से वरली समुद्र तट और कोलीवाड़ा क्षेत्र में दो दिवसीय स्वच्छता मुहिम शुरू की गई है। १ और २ सितंबर के दौरान आयोजित की गई इस मुहिम में क्षेत्र से कचरा हटाने के साथ-साथ सार्वजनिक शौचालयों, आंतरिक गलियों तथा लंबे समय से कचरा जमा होने वाले स्थानों की सफाई की गई है। इस अभियान के लिए १० सुपरवाइजर और २ मैनेजर तैनात किए गए। दो दिवसीय अभियान के दौरान लगभग ५० टन कचरा हटाया गया. कचरा संग्रहण और परिवहन के लिए दो-दो टन क्षमता वाले टिपर वाहन, ई-रिक्शा, कचरा संग्रहण मशीनें और घास काटने वाली मशीनों का उपयोग किया गया। इसके अलावा, पूरे क्षेत्र १२० लीटर क्षमता वाले कूड़ेदान लगाए गए। यह पहल जुहू बीच पर कंपनी द्वारा पहले चलाए गए उरफ अभियान का विस्तार है और मुंबई के सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ बनाए रखने के कंपनी के प्रयासों को आगे बढ़ाती है। इस पहल के दौरान क्षेत्र के नागरिकों द्वारा उठाई गई समस्याओं का जायजा लेने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष सचिन अहिर ने स्वच्छता मुहिम स्थल का दौरा किया। उन्होंने क्षेत्र का निरीक्षण कर सुमीत फैसिलिटीज द्वारा किए जा रहे स्वच्छता कार्यों की जानकारी ली और सुमीत ग्रुप के प्रयासों की सराहना की। सुमीत ग्रुप एंटरप्राइजेज के कार्यकारी अध्यक्ष सुमित सालुंके ने भी इस मुहिम का निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया।

इस अवसर पर सुमित सालुंके ने कहा, वरली कोलीवाड़ा स्वच्छता मुहिम स्वच्छ, स्वस्थ और जिम्मेदार समाज के निर्माण की दिशा में हमारा एक प्रयास है। स्वच्छ महाराष्ट्र के निर्माण में योगदान देने के साथ-साथ स्वच्छ भारत अभियान के व्यापक उद्देश्य को समर्थन देने का हमारा प्रयास है। सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना और स्थानीय समुदाय के हित में हम यह पहल कर रहे हैं। मुहिम के तहत समुद्र तट की गहन सफाई, कचरा और प्लास्टिकजनित पदार्थ, सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, आंतरिक गलियों की सफाई, कचरा जमा होने वाले स्थानों की सफाई, घास काटना तथा कचरा संग्रहण और उसके परिवहन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

दिवार में श्री सप्तकोटेश्वर मंदिर के जीर्णोद्धार का ऐतिहासिक शुभारंभ

पणजी। गोवा के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक इतिहास में आज एक नया अध्याय जुड़ गया। 'कोटि तीर्थ कॉरिडोर विकास परियोजना' के तहत दिवार स्थित श्री सप्तकोटेश्वर मंदिर के मूल स्थान के जीर्णोद्धार का औपचारिक शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत और केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक ने पारंपरिक उदक शांति तथा गंगा पूजन के साथ उद्घाटन किया। लगभग साढ़े चार शताब्दियों तक मंदिर-विहीन रहे इस पवित्र स्थल के जीर्णोद्धार के साथ-साथ इस कॉरिडोर का मुख्य उद्देश्य 'महादेव ताली' से लेकर 'कोटि तीर्थ' और 'हाटकेश्वर घाट' तक के क्षेत्र की धार्मिक व सांस्कृतिक विरासत को सहेजना है। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. सावंत ने कहा कि गोवा ने भोज, चालुक्य, कदंब, आदिलशाही और पुर्तगाली शासन के दौर देखे हैं। पुर्तगाली शासनकाल में अनेक मंदिरों को नष्ट कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि देव, धर्म और देश हमारे कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि आने वाली पीढ़ी गोवा के स्वर्णिम इतिहास को जाने। मुख्यमंत्री ने मंदिर के संरक्षण में छत्रपति शिवाजी महाराज के योगदान, जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ छत्रपति संभाजी महाराज के संघर्ष, कुनकोलिम के प्रतिरोध, पिंटो विद्रोह और दीपाजी राणे के आंदोलन का उल्लेख करते हुए इन्हें गोवा की अस्मिता का प्रतीक बताया। उन्होंने आश्वस्त किया कि परियोजना एक वर्ष के भीतर पूरी कर ली जाएगी।

ऐतिहासिक रूप से 'दीपावती क्षेत्र' के नाम से विख्यात दिवार का उल्लेख स्कंद पुराण के 'सह्याद्री खंड' में मिलता है। कदंब राजवंश के दौरान 'कदंब नगर प्रसाद' स्थापत्य शैली में निर्मित यह मंदिर गोवा के सबसे पवित्र स्थलों में से एक रहा है। इस परियोजना से मांडवी और जुआरी नदी कॉरिडोर के आसपास का ऐतिहासिक वैभव एक बार फिर स्थापित होगा। कार्यक्रम में गोवा भाजपा अध्यक्ष दामू नाइक, पर्यटन मंत्री रोहन खौंटे, विधायक चंद्रकांत शेट्ये, रुडोल्फ फर्नांडिस, राजेश फलदेसाई, जीत अरोलकर, राज्यसभा सांसद सदानंद शेट तनावड़े, पुरातत्व सचिव प्रसाद लोलयेकर, पद्मिनी फाउंडेशन की अध्यक्षा सुलक्षणा सावंत, जीर्णोद्धार समिति के संयोजक भूषण भावे और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

गातार स्क्रीन देखने से गर्दन में दर्द और डूमस्क्रॉलिंग के कारण थकान Gen Z की सभी पीड़ाओं के लिए झंडु बाम लेकर आया है एक नया समाधान

कोलकाता। एक ऐसी पीढ़ी जो कि ऐड्स स्किप करती है, चीजें असली न होने पर साफ-साफ कहती है और तकलीफ में तो बिल्कुल नहीं रहना चाहती है - तो ऐसी पीढ़ी का भरोसा कैसे जीतें? ईमामी लिमिटेड के घराने की ओर से झंडु बाम के लिए उत्तर बहुत ही आसान है:Gen Z को लेक्कर मत दीजिए। उनसे वैसे बात करें, जैसा उन्हें पसंद है। हमारे इस नए कैम्पेन में #UndoWithZandu भारत के नं. 1 पेन रिलीफ बाम, झंडु बाम ने Gen Z की नजरों से दर्द को समझने की कोशिश की है। स्क्रीन देखने के कारण सिरदर्द और गर्दन दर्द, डूमस्क्रॉलिंग से थकान और रोज की परेशानियों को पीड़ा के रूप में दशार्या गया है जिसे कि आज के युवा उपभोक्ता तुरंत पहचान लेते हैं। इस कैम्पेन का केंद्र है पीड़ालैंड- एक काल्पनिक दुनिया जहाँ पर आज के युवा आधुनिक जीवन के दर्द और परेशानियों से जूझते दिखेंगे। तभी उनकी सभी समस्याओं को मिटाने के लिए उनके सामने आएगा एक जोशीला किरदार और सिर्फ. एक आसान सुझाव से उनको राहत पाने में मदद करेगाः पीड़ा को करो अनडू विद झंडु। यह कैम्पैन झंडु बाम के लिए एक रणनीतिक बदलाव है। इसके जरिये 16-28 वर्ष के उपभोक्ताओं तक पहुँचने की कोशिश की जा रही है, जो कि लगातार डिजिटली एक्टिव रहने और शारीरिक थकान के कारण रोज की पीड़ा से परेशान रहते हैं। इसके साथ ब्रांड ने लोगों की रोज की पीड़ा के समाधान के रूप में अपने आपको प्रतिष्ठित करने और हर पीढ़ी के उपभोक्ताओं में अपनी पहचान बनाने के लक्ष्य की ओर एक और कदम भी आगे बढ़ाया है। कैम्पेन के बारे में अपनी बात रखते हुए मोहन गोयनका, डायरेक्टर, ईमामी लिमिटेड, ने कहा झंडु बाम ने जिस तरह पॉपूलर कल्चर को अपनाया है, वैसा बस कुछ एक ब्रांड्स ही कर पाए हैं। मुन्नी बदनाम हुई जैसे लोकप्रिय गाने पर फिलमाये गए यादगार ऐड ने भारतीय विज्ञापन की दुनिया में एक बदलाव की शुरूआत की थी। इसे लोगों द्वारा बेहद पसंद किया गया था और हर पीढ़ी में इसकी पहचान को और ज्यादा मजबूती मिली थी।

डॉ. हेमंत सांवरा ने वाडा में दही हांडी उत्सव का लिया जायजा

वाडा। भारतीय जनता पार्टी, वाडा तालुका की ओर से आयोजित दही हांडी फेस्टिवल 2026 में पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सांवरा ने दौरा कर गोविंदा टीमों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने उपस्थित लोगों के साथ उत्सव की खुशी साझा की और सभी गोविंदा पथकों एवं आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। डॉ. सांवरा ने दही हांडी उत्सव में भाग लेने वाली सभी गोविंदा टीमों और आयोजकों को सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027 को लेकर मुंबई में रोड शो, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने निवेशकों को गुजरात में निवेश के लिए किया आमंत्रित

मुंबई। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027 को लेकर मुंबई में रोड शो का आयोजन 3 सितंबर 2026 को दक्षिण मुंबई स्थित होटल ताज कोलाबा में किया गया। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की मौजूदगी में मुंबई के उद्योगपतियों, कारोबारियों और निवेशकों को गुजरात में निवेश की संभावनाओं और राज्य में उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराया गया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के तेजी से हो रहे औद्योगिक और आर्थिक विकास का ज़िक्र करते हुए कहा कि देश की तरक्की के साथ गुजरात भी विकास की नई बुलंदियों की तरफ बढ़ रहा है। राज्य में डायमंड, टेक्सटाइल, स्टील, क्लॉथ इंडस्ट्री सहित विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उद्योग स्थापित हैं। इसके अलावा सोलर पावर और अन्य क्षेत्रों में भी निवेश की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027 मुंबई रोड शो के दौरान गुजरात में निवेश के लिए विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों और परियोजनाओं पर भी चर्चा की गई। कलोल सहित गुजरात के कई क्षेत्रों में इंडस्ट्री के विकास को लेकर निवेश के अवसर मौजूद हैं। कारोबारियों से इन अवसरों का लाभ उठाते हुए गुजरात में निवेश करने का आह्वान किया गया। गुजरात में औद्योगिक विकास के साथ पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, कच्छ में भारत-पाकिस्तान सीमा के समीप नाडाबेट बॉर्डर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। वहीं गिर क्षेत्र में सासन गिर को भी पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया गया है। आने वाले दिनों में सोमनाथ मंदिर के विकास की योजनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में गुजरात की बेहतर कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे का भी ज़िक्र किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुंबई-अहमदाबाद के बीच बुलेट ट्रेन परियोजना पर कार्य जारी है। इसके अलावा मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेसवे का गुजरात से जुड़ा हिस्सा भी कई स्थानों पर शुरू हो चुका है और आने वाले समय में इसके माध्यम से मुंबई तक बेहतर सड़क कनेक्टिविटी उपलब्ध होने की उम्मीद जताई गई।

कार्यक्रम में इस बात पर भी जोर दिया गया कि गुजरात की अर्थव्यवस्था पिछले लगभग दो दशकों से लगातार विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है। राज्य में उद्योग, व्यापार, ऊर्जा, टेक्सटाइल, डायमंड और स्टील जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसर मौजूद हैं। गौरतलब है कि वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027 का आयोजन अगले वर्ष जनवरी में प्रस्तावित है। इस समिट में छोटे-बड़े कारोबारी, उद्योगपति और निवेशक बड़ी संख्या में हिस्सा लेने वाले हैं। मुंबई में आयोजित रोड शो का उद्देश्य निवेशकों को गुजरात की औद्योगिक संभावनाओं से रूबरू कराना और उन्हें आगामी वाइब्रेंट समिट में भाग लेने के लिए आमंत्रित करना रहा।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने पीएसबी हैकथॉन शृंखला 2026 के अंतर्गत IDEA 2.0 के ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 3 सितंबर, 2026 को के जे सोमैया स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग (ऑडिटोरियम), विद्याविहार (पूर्व), मुंबई में पीएसबी हैकथॉन सीरीज 2026 के अंतर्गत IDEA 2.0 (हैकथॉन) के ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया। बैंक ने सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के सहयोग से IDEA 2.0 (हैकथॉन) का आयोजन किया है, जिसमें विचारकों, नवप्रवर्तकों, छात्रों और पेशेवरों को विचारों का सह-निर्माण करने के लिए एक साझा मंच प्रदान किया गया। यह इस वर्ष आयोजित शृंखला का दूसरा संस्करण है। जबकि पहला संस्करण राज्य स्तर पर आयोजित किया गया था, IDEA 2.0 का आयोजन अखिल भारतीय स्तर पर किया गया। हैकाथॉन, वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस), वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की पहल का हिस्सा है, जिसे भारतीय बैंक संघ (आईबीए) द्वारा संचालित किया जाता है, जिसके तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र के लिए नवाचार को प्रोत्साहित करने और प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान विकसित करने के लिए हैकथॉन का आयोजन कर रहे हैं। IDEA 2.0 का विषय साइबर सुरक्षा और धोखाधड़ी की रोकथाम और जनरेटिव एआई का उपयोग करके ग्राहक अनुभव को बढ़ाना है। ग्रैंड फिनाले में, आज यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ आशीष पाण्डेय, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक निदेशकनितेश रंजन और अमरेश प्रसाद, सरकार द्वारा नामित निदेशक डॉ. देबाशीष प्रुस्टी ने वर्चुअल माध्यम से सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के कुलपति अजय कपूर, केजे सोमैया स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के निदेशक डॉ. सुरेश उकरंडे, सोमैया स्कूल ऑफ डिजाइन के निदेशक डॉ. इरफान सिद्धवतम और अन्य गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं।